वर्ष : 34 | अंक : 370 | मुंबई, गुरुवार, 19 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाएं

मुंबई में 'गैंगवार' की नो एंट्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार, 18 मार्च 2026 को विधान परिषद में मुंबई की सुरक्षा और अंडरवर्ल्ड के बढ़ते खतरों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुंबई को किसी भी कीमत पर 90 के दशक वाले 'गैंगवार' के दौर में वापस नहीं जाने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मुख्य ऑपरेटर शुभम लोणकर (मूल निवासी अकोला) के भाई प्रवीण लोणकर को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, विदेश में छिपे शुभम को प्रत्यर्पित कर वापस लाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। साथ ही, गैंग के एक और सदस्य अनमोल बिश्नोई को हिरासत में लेने के लिए केंद्र सरकार से औपचारिक मांग की गई है।

- सीएम फडणवीस ने बिश्नोई गैंग को दी सीधी चेतावनी
- अनमोल बिश्नोई की कस्टडी के लिए केंद्र से लगाई गुहार

रोहित शेट्टी फायरिंग: 12 गिरफ्तार

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर हुई गोलीबारी की घटना पर मुख्यमंत्री ने अपडेट दिया कि इस मामले में अब तक 12 आरोपियों को दबोचा जा चुका है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए सभी पर सख्त मकोका (MCOCA) कानून लगाया गया है। रोहित शेट्टी को सुरक्षा मुहैया कराई गई है ताकि फिल्म जगत में डर का माहौल न बने।

विधायकों को धमकाने वाले ऑपरेटर की खैर नहीं

शुभम लोणकर पर तंज कसते हुए फडणवीस ने कहा कि वह विदेश में बैठकर थोक के भाव में रंगदारी के लिए फोन करता है। उसने अकोला के कांग्रेस विधायक साजिद खान और भाजपा विधायक प्रकाश भारसाकले को भी धमकी दी थी। मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, ₹प्रकाश भारसाकले तो बेचारे गरीब आदमी हैं, उनके पास पैसा कहाँ से आएगा?

मकोका का 'हंटर'

गैंगस्टर गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने पुलिस को खुली छूट दी है। रोहित शेट्टी केस में मकोका लगाना इस बात का संकेत है कि अब इन अपराधियों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी और इनके पूरे सिंडिकेट को खत्म किया जाएगा। विपक्षी विधायकों (सचिन अहिर और मिलिंद नार्वेकर) के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि मुंबई पुलिस पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने कहा कि तकनीक और इंटेलिजेंस की मदद से अपराधियों के मंसूबों को नाकाम किया जा रहा है और मुंबई की सड़कों पर फिर से गैंगवार की आहट नहीं होने दी जाएगी।

ब्रीफ न्यूज़

2.6 लाख भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं। सरकार ने बताया कि 28 फरवरी से अब तक करीब 2.6 लाख यात्री उस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। हालात को देखते हुए विदेश मंत्रालय लगातार निगरानी कर रहा है और लोगों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया जारी है। सरकार ने साफ किया है कि फ्लाइट सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं और स्थिति पहले से बेहतर है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यूएई से भारत के लिए बड़ी संख्या में उड़ानें संचालित हो रही हैं। साथ ही भारतीय दूतावास जरूरतमंद लोगों, खासकर छात्रों की मदद कर रहा है और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम कर रहा है।

एसटी सेवा को घाटे से उबारने की तैयारी, 8,300 नई बसें शामिल होंगी

मुंबई। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की जीवनरेखा मानी जाने वाली राज्य परिवहन (एसटी) सेवा को घाटे से उबारने के लिए सरकार ने ठोस रणनीति तैयार की है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधान परिषद में बताया कि आम नागरिकों को सस्ती, सुलभ और भरोसेमंद परिवहन सेवा देने के उद्देश्य से कई कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान में 14 हजार से अधिक बसों के जरिए शहरी, ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में सेवा दी जा रही है, जिसे और मजबूत बनाने के लिए 8,300 नई बसों को बेड़े में शामिल किया जाएगा। इनमें से 3,000 बसों की सेवा जल्द शुरू होगी और इन्हें चरणबद्ध तरीके से सभी डिपो में तैनात किया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए मोटर वाहन कर संशोधन विधेयक पारित

मुंबई। राज्य में बढ़ते शहरीकरण और वाहनों से बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा ने "महाराष्ट्र मोटर वाहन कर (संशोधन) विधेयक, 2026" को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि इस कानून का उद्देश्य प्रदूषण पर नियंत्रण के साथ ग्रीन परिवहन को बढ़ावा देना और राजस्व में वृद्धि करना है। नए प्रावधानों के तहत पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर पर्यावरण कर में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिसमें दोपहिया वाहनों पर कर 2,000 से बढ़ाकर 4,000, पेट्रोल वाहनों पर 3,000 से 6,000 और डीजल वाहनों पर 3,500 से 7,000 रुपये कर दिया गया है। यह कर पांच वर्षों के लिए एकमुश्त लिया जाएगा।

मुश्किल में मेयर रितु तावड़े

- स्कूल शिक्षकों को थप्पड़ मारने के मामले में कोर्ट ने नहीं दी राहत
- राजनीतिक साजिश का दावा खारिज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भाजपा पार्षद और शहर की मेयर रितु तावड़े को स्कूल शिक्षकों पर हमले के मामले में राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने माना कि शिक्षकों के बयान और मौके पर मौजूद गवाहों की गवाही उनके खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। वाकोला स्थित एक नगर निगम स्कूल में साल 2016 में हुई इस घटना को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गई है।

कोर्ट ने क्या कहा?

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वाईपी मनथका ने तावड़े की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि पीड़ितों ने स्पष्ट रूप से उनका नाम लिया है। जज ने जोर देकर कहा कि अन्य गवाहों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि तावड़े ने शिक्षकों के साथ मारपीट की थी। कोर्ट ने माना कि यह मामला आरोप तय करने के लिए ₹पर्याप्त से अधिक₹ है। अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को भी गंभीरता से लिया कि स्कूल वह पवित्र स्थान है जहाँ बच्चों को जीवन के संस्कार मिलते हैं। ऐसी जगह पर शिक्षकों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता।

विवाद की शुरुआत

यह पूरा मामला 29 जुलाई 2016 का है। वाकोला के एक उर्दू माध्यम स्कूल में एक शिक्षिका का तबादला कर दिया गया था, जो कथित तौर पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इसी बात को लेकर रितु तावड़े अपने समर्थकों के साथ स्कूल पहुँची थीं और प्रबंधन के साथ उनकी तीखी बहस हुई थी। पुलिस और सरकारी वकील इकबाल सोलकर ने अदालत में दलील दी कि बहस के दौरान रितु तावड़े ने आपा खो दिया और दो स्कूल शिक्षकों को थप्पड़ मार दिए। इसके अलावा, उन पर स्कूल प्रबंधन को गालियां देने और डराने-धमकाने का भी आरोप है। इस मामले में 11 अगस्त 2016 को FIR दर्ज की गई थी।

ग्रामीण राजनीति में 'एक्सपर्ट्स' की एंट्री

- अब जिला परिषद और पंचायत समितियों में भी होंगे 'स्वीकृत सदस्य', विधानसभा में विधेयक पास

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की ग्रामीण सत्ता संरचना में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। विधानसभा ने महाराष्ट्र जिला परिषद एवं पंचायत समिति (द्वितीय संशोधन) विधेयक को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। अब नगरपालिकाओं की तर्ज पर जिला परिषदों और पंचायत समितियों में भी 'स्वीकृत सदस्यों' की नियुक्ति की जाएगी।

सामाजिक और तकनीकी विशेषज्ञों को मिलेगा प्रशासन में मौका

राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र और तकनीकी विषयों के जानकारों का भी सहयोग लिया जाए। ग्राम विकास मंत्री जयकुमार गोरे के अनुसार, इन विशेषज्ञों के आने से जिला परिषद और पंचायत समिति के प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता आएगी।

अधिकार और सीमाएं

- वे प्रशासनिक कार्यों में सलाह और तकनीकी मार्गदर्शन दे सकेंगे।
- उन्हें किसी भी प्रस्ताव पर मतदान (Voting) का अधिकार नहीं होगा।
- वे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या सभापति जैसे संवैधानिक पदों के लिए चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।
- उनका कार्यकाल परिषद या समिति के कार्यकाल के साथ ही खत्म हो जाएगा।

सदस्यों की संख्या का नया गणित

विधेयक के अनुसार, नियुक्तियों का पैमाना कुछ इस तरह तय किया गया है। जिला परिषद में निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या का 10% या कम से कम 5 सदस्य स्वीकृत किए जाएंगे। (कुल 201 नए सदस्य)। पंचायत समिति में निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या का 20% या कम से कम 1 सदस्य स्वीकृत होगा। (कुल 804 नए सदस्य)।

नियुक्ति की प्रक्रिया: संख्याबल ही आधार

इन सदस्यों की नियुक्ति में मनमानी नहीं चलेगी। जिलाधिकारी संबंधित सदन में मौजूद राजनीतिक दलों के संख्याबल के आधार पर सीटों का बंटवारा करेंगे। दलों के नेताओं से चर्चा के बाद ही नाम तय होंगे और राज्य चुनाव आयोग इनका नाम राजपत्र में प्रकाशित करेगा। सदन में चर्चा के दौरान नाना पटोले, अभिजीत पाटिल और विक्रम पाचपुते जैसे नेताओं ने इस बिल का स्वागत किया। हालांकि, चर्चा के दौरान कुछ विधायकों ने यह मांग भी उठाई कि इसी तर्ज पर ग्राम पंचायतों में भी शिक्षित और अनुभवी लोगों को 'नामित सदस्य' के रूप में नियुक्त करने का प्रावधान किया जाना चाहिए।

विधानसभा में 'जीरामजी' और 'जय श्रीराम' पर छिड़ी जंग

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में बुधवार, 18 मार्च 2026 को प्रश्नकाल के दौरान मनरेगा मजदूरों के बकाया वेतन के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। शिवसेना विधायक भास्कर जाधव और भाजपा विधायक देवयानी फरांदे के बीच हुई तीखी नोकझोंक ने सदन की कार्यवाही को कुछ समय के लिए बाधित कर दिया, जिसमें 'जय श्रीराम' के नारे और 'जीरामजी' शब्द को लेकर विवाद छिड़ गया। भास्कर जाधव सदन में मनरेगा मजदूरों के 3-4 साल से लंबित वेतन का मुद्दा उठा रहे थे।

शादी-ब्याह में 'प्लास्टिक के फूल' पड़ेंगे भारी

- अब हॉल मालिकों पर भी होगा केस
- स्थानीय निकायों को मिलेंगे कार्रवाई के सीधे अधिकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई समेत राज्य के विभिन्न शहरों में प्रतिबंध के बावजूद प्लास्टिक फूलों की बिक्री जारी रहने पर सरकार अब सख्त रुख अपनाने जा रही है। इस दिशा में महानगर पालिकाओं को कार्रवाई के अधिकार देने का निर्णय लिया गया है। प्लास्टिक फूलों पर लगी पाबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जल्द ही विशेष अधिसूचना जारी की जाएगी।

विवाह हॉल और बैंक्वेट पर जिम्मेदारी तय

सरकार ने स्पष्ट किया है कि विवाह हॉल, सभागार और बैंक्वेट हॉल में प्लास्टिक फूलों के उपयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी। इन स्थानों को नोटिस जारी किए जाएंगे और यदि वहां प्लास्टिक फूलों का इस्तेमाल पाया गया तो संबंधित हॉल या बैंक्वेट मालिकों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान दी।

हजारों प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, करोड़ों का जुर्माना

पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने बताया कि अप्रैल 2025 से 2026 के बीच 1,24,783 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से 3,390 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 1.55 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया और 67.54 मीट्रिक टन सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त किया गया। साथ ही मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट में विशेष जांच अभियान चलाने की भी घोषणा की गई।

बीड स्थित फर्जी न्यास एटीएस जांच के दायरे में

मुंबई। महाराष्ट्र का आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) बीड में एक फर्जी धार्मिक न्यास की जांच कर रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस न्यास ने एक विवादास्पद अंतर्राष्ट्रीय संगठन से धन प्राप्त किया था। विधानसभा में सतेज पाटिल (कांग्रेस) के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्य के गृह विभाग के प्रभारी फडणवीस ने बताया कि बीड जिले के माजलगांव तालुका के पत्रुद गांव में गुलजार-ए-रजा नाम से एक फर्जी न्यास बनाया गया था।

स्पा सेंटर्स पर कानूनी शिकंजा

- केवल दुकान लाइसेंस से नहीं चलेगा काम, गृह विभाग की एनओसी होगी अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र के स्पा सेंटर्स में चलने वाली अवैध गतिविधियों और सुरक्षा के अभाव को देखते हुए राज्य सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। बुधवार, 18 मार्च 2026 को विधान परिषद में गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने घोषणा की कि अगले चार महीनों के भीतर प्रदेश के सभी स्पा सेंटर्स के लिए नई और सख्त नियमावली बनाई जाएगी। मंत्री योगेश कदम ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में स्पा सेंटर केवल 'दुकान और स्थापना अधिनियम' के तहत मंजूरी लेकर शुरू कर दिए जाते हैं। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर गृह विभागऔर अन्य संबंधित विभागों से भी अनुमति लेना अनिवार्य किया जाएगा। इससे पुलिस की निगरानी बढ़ेगी। स्पा सेंटर्स के नियमों को सख्त बनाने के लिए राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक विशेष समिति गठित की गई है। यह समिति जल्द ही अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपेगी, जिसके आधार पर नई गाइडलाइंस तैयार होंगी। भाजपा विधायक अमित गोरखे ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए पुणे के विमान नगर स्थित स्पा सेंटर्स में चल रहे अनैतिक कार्यों का मुद्दा उठाया था।

भावुक पल | प्रधानमंत्री ने राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सदस्यों को विदाई दी

राजनीति में कोई पूर्ण विराम विराम नहीं होता: मोदी

नई दिल्ली। राज्यसभा से अप्रैल और जुलाई 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो रहे 59 सदस्यों की विदाई के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक और प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति में अनुभव कभी बेकार नहीं जाता और सार्वजनिक जीवन में 'पूर्ण विराम' जैसा कुछ नहीं होता।प्रधानमंत्री ने विदा हो रहे सदस्यों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सदन से जाना कोई अंत नहीं है। उन्होंने कहा, ₹राजनीति में फुल स्टॉप जैसी कोई चीज नहीं होती।₹ चाहे सदस्य दोबारा चुनकर आएं या समाज सेवा के अन्य क्षेत्रों में जाएं, संसद में हासिल किया गया उनका संचित अनुभव देश के लिए हमेशा एक अमूल्य संपत्ति बना रहेगा।

संसदीय लोकतंत्र के तीन स्तंभों की सराहना

पीएम मोदी ने विपक्षी और वरिष्ठ नेताओं—पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार—की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का आधे से ज्यादा हिस्सा संसद को दिया है। सदन की कार्यवाही में उनकी नियमित उपस्थिति और निष्ठा नए सांसदों के लिए एक 'खुली किताब' की तरह है जिससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

राज्यसभा: लोकतंत्र की 'दूसरी राय'

प्रधानमंत्री ने दो सदनों वाली व्यवस्था की खूबसूरती को एक उदाहरण से समझाया। उन्होंने कहा कि जैसे परिवार में बड़े फैसलों से पहले बुजुर्गों की राय ली जाती है, वैसे ही राज्यसभा एक 'सेकेंड ओपिनियन' की तरह काम करती है। एक सदन से पारित विधेयक जब दूसरे सदन में जाता है, तो बहस और चर्चा से निर्णय और अधिक मजबूत और परिपक्व होकर निकलता है।

मुंबई आस-पास
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD
दो बजे दोपहर

न्यूज़ ब्रीफ

यवतमाल में 700 विद्यार्थियों के लिए बनेगा 5 एकड़ जमीन पर स्कूल

मुंबई। यवतमाल जिले के पुनवट गांव में प्रस्तावित स्कूल के निर्माण को लेकर राज्य सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि क्षेत्र के लगभग 700 विद्यार्थियों के लिए 5 एकड़ जमीन पर्याप्त है और इस पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। विधायक संजय देरकर द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित स्थल खनन जोन में आने के कारण ग्राम पंचायत और डब्ल्यूसीएल द्वारा वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया गया है। सरकार उपलब्ध जमीन पर ही स्कूल स्थापित करने की योजना बना रही है, जबकि पहले 15 एकड़ जमीन की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि 5 एकड़ में स्कूल सुविधाजनक रूप से बनाया जा सकता है, जिससे बची हुई जमीन का उपयोग अन्य विकास कार्यों में होगा। साथ ही इस परियोजना के लिए डब्ल्यूसीएल और संबंधित निजी संस्था के बीच समझौता भी किया जाएगा।

अमेरिकी टैरिफ से महाराष्ट्र का मत्स्य निर्यात प्रभावित

मुंबई। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं के बीच अमेरिकी आयात शुल्क में बढ़ोतरी का असर महाराष्ट्र के मत्स्य व्यवसाय पर साफ दिखने लगा है, खासकर झींगा निर्यात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जिससे कोकण क्षेत्र के मछुआरों और निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। विधानसभा में लिखित जवाब में मत्स्य मंत्री नितेश राणे ने बताया कि मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अनुसार व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है, लेकिन बढ़े हुए टैरिफ से निर्यात उद्योग दबाव में है। इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने 9 मार्च 2026 को 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' को मंजूरी दी है, जबकि केंद्र सरकार ने मत्स्य उपकरणों पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर दिया है, जिससे लागत कम होगी और उद्योग को राहत मिलेगी, हालांकि अमेरिका पर टैरिफ लगाने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है।

डॉक्टर 35 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मोबाइल यूनिट के डॉक्टर पर शिकंजा

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आंबेसरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मोबाइल यूनिट के चिकित्सक डॉ. विजय माणिक सांगले को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

वाहनों के बिल पास कराने के लिए मांगी रिश्वत

शिकायतकर्ता, जो पेशे से वाहन चालक है, अपने दो मित्रों की ईको गाड़ियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंजाड के अंतर्गत नागझरी जामशेत और आंबेसरी केंद्र में किराए पर लगवाना चाहता था। इसके लिए डॉक्टर से संपर्क किया गया, जहां उन्होंने बिल स्वीकृति के लिए प्रति वाहन 10 हजार रुपये की मांग की।

आशागढ़ चौक पर बिछाया गया जाल

यह कार्रवाई आज दोपहर 1:40 बजे गंजाड तहसील के आशागढ़ चौक, जामशेत के पास की गई, जहां डॉक्टर को शिकायतकर्ता से 35 हजार रुपये लेते समय पकड़ा गया।

कुल 1.05 लाख रुपये की थी मांग

डॉ. सांगले ने मार्च 2025 से अगस्त 2025 तक के लिए कुल 1 लाख 5 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में 17 मार्च 2026 को रकम घटाकर 30 हजार रुपये कर दी गई और 5 हजार रुपये डिपॉजिट के रूप में जोड़ते हुए कुल 35 हजार रुपये तय किए गए।

शिकायत के बाद ACB ने रचा ट्रैप

शिकायतकर्ता ने इस संबंध में पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो से संपर्क किया, जिसके बाद ACB ने जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया।

हंगामेदार रही मनपा की आमसभा

विभिन्न समितियों के चुनाव को मंजूरी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

बुधवार को आयोजित उल्हासनगर महानगरपालिका की आमसभा शहर के ज्वलंत और भावनात्मक मुद्दों के चलते काफी हंगामेदार रही। नगरसेवकों ने शहर में कचरे के ढेर, गंदगी, सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति और ध्वस्त इमारतों के मलबे में फेंके जा रहे कचरे जैसे मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया, जिससे सभा में तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

सफाई और पानी के मुद्दे पर तीखी बहस

जनप्रतिनिधियों ने आक्रामक रुख अपनाते हुए बंद नालियों की सफाई और गंदगी हटाने की तत्काल मांग की। इसके साथ ही शहर में पानी की कमी और 'वालमैन' के तबादले के मुद्दे पर भी तीखी बहस हुई, जिससे कुछ समय के लिए सभागृह का माहौल तनावपूर्ण हो गया। शिक्षा व्यवस्था को लेकर पार्षद दुर्गा राय ने प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने विद्यालय क्रमांक 24 का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां महासभा भवन में महंगे कालीन बिछाए जा रहे हैं, वहीं मनपा स्कूलों के छात्र जमीन पर बैठने को मजबूर हैं। इस पर सदन में सत्ता पक्ष और प्रशासन दोनों पर सवाल उठाए गए।

समिति गठन और नए राजनीतिक समीकरण

महापौर अश्विनी कमलेश निकम, आयुक्त मनीषा अव्हाले और उपमहापौर अमर लुंड की मौजूदगी में हुई इस बैठक में शहर विकास से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सभा के उत्तरार्ध में स्थायी समिति और अन्य विशेष समितियों के गठन को मंजूरी दी गई। राजनीतिक समीकरणों के तहत शिवसेना (शिंदे गुट), वंचित बहुजन आघाड़ी और निर्दलीय सदस्यों ने मिलकर 'उल्हासनगर विकास आघाड़ी' का गठन किया, जबकि भाजपा ने भी अपने 16 सदस्यों के नाम घोषित किए।

विशेष समितियों की संख्या में इजाफा

इस वर्ष मनपा में विशेष समितियों की संख्या आठ से बढ़ाकर नौ करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें एक नई राजस्व समिति भी शामिल की गई है। इस फैसले के बाद शहर के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं और आगामी कार्यप्रणाली को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

कीटनाशक की जगह 'सफेद सीमेंट' का छिड़काव!

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (MBMC) में स्वच्छता और कीटनाशक छिड़काव के नाम पर एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्थानीय भाजपा पार्षद द्वारा किए गए इस खुलासे ने न केवल भ्रष्टाचार की बू दी है, बल्कि लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य को भी खतरे में डाल दिया है। वार्ड नंबर 3 के निरीक्षण के दौरान भाजपा पार्षद गणेश शेट्टी ने पाया कि सफाई कर्मचारी कीटनाशक (बोरिक पाउडर) की जगह पूरी तरह सफेद पाउडर का छिड़काव कर रहे थे। शक होने पर जब उन्होंने जांच की, तो मौके पर सफेद सीमेंट की बोरियां मिलीं। पार्षद ने तुरंत इनके फोटो और वीडियो सबूत के तौर पर लिए, जिससे प्रशासन बैकफुट पर आ गया है।

करोड़ों का बजट, लेकिन असर ज़ीरो

मीरा-भाईंदर मनपा हर साल मच्छरों, तिलचट्टों और चूहों को मारने वाली दवाओं पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाती है। अगर कीटनाशक की जगह सीमेंट या सादा पाउडर छिड़का जा रहा है, तो यह न केवल जनता के पैसे की बर्बादी है, बल्कि बीमारियों (जैसे डेंगू, मलेरिया) को न्यौता देना भी है।

प्रशासन का 'गोलमोल' जवाब

एक तरफ स्वच्छता निरीक्षक श्रीकांत परड़कर इन आरोपों को नकार रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने एक बड़ी सच्चाई स्वीकार कर ली। उन्होंने माना कि पिछले तीन महीनों से बोरिक पाउडर का स्टॉक खत्म है। अब सवाल यह है कि अगर दवा थी ही नहीं, तो कर्मचारी सड़कों और नालियों में क्या डाल रहे थे?

स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी और शिकायत

पार्षद शेट्टी ने स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त सचिन बांगर के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि छिड़काव की गई सामग्री की तुरंत लैब जांच कराई जाए और यह पता लगाया जाए कि इस 'खेल' के पीछे कौन से ठेकेदार या अधिकारी शामिल हैं।

जोगेश्वरी एसआरए प्रोजेक्ट पर सरकार का अल्टीमेटम

15 दिन में खुलेगी 25 साल पुरानी फाइलों की पोल

मंत्री शंभूराज देसाई ने दिए जांच के आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जोगेश्वरी (पूर्व) के मयूर नगर SRA प्रोजेक्ट में पिछले 25 वर्षों से अटके 751 परिवारों के पुनर्वास को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने अब कड़ा रुख अख्तियार किया है। विधानसभा में पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने इस मामले में 'डेडलाइन' तय करते हुए 15 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है। जोगेश्वरी (पूर्व) का यह मयूर नगर प्रोजेक्ट साल 1996 में शुरू हुआ था। एक चौथाई सदी बीत जाने के बाद भी 751 पात्र लाभार्थी अपने हक की बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षित घर के लिए तरस रहे हैं। विधायक अनंत नर ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए सरकार को बताया कि कैसे पीढ़ियां बीत गईं लेकिन घर का सपना अधूरा है।

डेवलपर पर गिर सकती है गाज

मंत्री ने सदन में साफ चेतावनी दी है कि यदि जांच में डेवलपर (बिल्डर) की ओर से कोई भी अनियमितता या लापरवाही पाई गई, तो SRA नियमों के तहत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। यदि जरूरी हुआ, तो प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए मौजूदा डेवलपर को हटाकर किसी नई एजेंसी को काम सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। जांच का मुख्य फोकस लाभार्थियों को मिलने वाली बिजली, पानी और ड्रेनेज जैसी बुनियादी सुविधाओं पर होगा। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि झुग्गी-झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में आने वाले इन लोगों को कम से कम वह सुविधाएं तो मिलें जिनका वादा 25 साल पहले किया गया था।

बिना OC और जर्जर दीवारें

मंत्री देसाई ने स्वीकार किया कि इस प्रोजेक्ट की हालत चिंताजनक है। लोग साल 2003 से यहाँ रह रहे हैं, लेकिन अब तक इमारतों को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (OC) नहीं मिला है। देख-रेख के अभाव में इमारतें समय से पहले जर्जर हो चुकी हैं, जिससे वहां रहने वाले सैकड़ों परिवारों की जान जोखिम में है। सरकार ने अब इस मामले में पात्रता, पेंडिंग OC और अवैध निर्माण जैसे सभी विवादित मुद्दों की एक साथ जांच करने का फैसला किया है। इसके लिए एक संयुक्त टीम बनाई जाएगी जो मौके पर जाकर रिपोर्ट तैयार करेगी। 15 दिन की समय सीमा यह बताती है कि सरकार अब इस मामले को और लटकाना नहीं चाहती।

डम्परों के लिए 'डेडलाइन' तय

16 दिनों में 118 वाहनों पर गिरी गाज, 1.66 लाख का जुर्माना वसूला

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंब्रा इलाके में भारी वाहनों (डम्परों) की मनमानी पर लगाम कसने के लिए मुंब्रा ट्रैफिक विभाग ने मार्च के पहले पखवाड़े में एक बड़ा 'सफाई अभियान' चलाया है। सीनियर पी.आई. अतुल अहेर के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई ने नियम तोड़ने वाले चालकों के बीच हड़कंप मचा दिया है। मुंब्रा ट्रैफिक विभाग ने 1 मार्च से 16 मार्च के बीच जाल बिछाकर उन डम्परों को पकड़ा जो नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे थे। इस दौरान कुल 118 भारी वाहनों पर कार्रवाई की गई और उनसे 1,66,500 का सरकारी जुर्माना वसूला गया।

छात्रों की सुरक्षा के लिए दिन में एंट्री बंद

सीनियर पी.आई. अतुल अहेर ने साफ कर दिया है कि मुंब्रा की संकरी सड़कों और बढ़ती आबादी को देखते हुए डम्परों के चलने का समय फिक्स है। ये भारी वाहन केवल रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही चल सकते हैं। दिन के उजाले में इनकी आवाजाही पर पूरी तरह पाबंदी है। यह कड़ा कदम मुख्य रूप से स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है। दिन के समय भारी डम्परों की मौजूदगी से हादसों का खतरा बना रहता है, जिसे रोकने के लिए ट्रैफिक विभाग अब 'ज़ीरो टॉलरेंस' मोड में है।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत?

मुंब्रा में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दिन के समय डम्परों पर रोक लगाने से न केवल हादसों में कमी आएगी, बल्कि सड़कों पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से भी आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। ट्रैफिक विभाग ने सभी डम्पर मालिकों और चालकों को अंतिम चेतावनी दी है। विभाग का कहना है कि यह केवल शुरुआत है; यदि नियमों का उल्लंघन जारी रहा, तो कार्रवाई और भी सख्त की जाएगी और भारी जुर्माना ठोंका जाएगा।

खारघर रेलवे स्टेशन पर महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

खारघर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बैठी एक महिला ने अचानक ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। यह पूरी घटना कुछ ही सेकंड में हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

CCTV फुटेज में कैद हुआ हादसा

यह दर्दनाक घटना मंगलवार (17 मार्च) शाम 4:49 बजे हुई, जो स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में महिला को ट्रेन के आने से पहले बेंच पर बैठे हुए देखा गया।

मोटरमैन को नहीं मिला प्रतिक्रिया का मौका

जैसे ही पनवेल की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन प्लेटफॉर्म पर प्रवेश कर रही थी, महिला अचानक उठी और ट्रेन के सामने कूद गई। घटना इतनी तेजी से हुई कि मोटरमैन को ब्रेक लगाने का मौका तक नहीं मिला।

महिला की पहचान अब तक नहीं

पनवेल रेलवे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विजय तावड़े के अनुसार, मृत महिला की उम्र लगभग 50 से 55 वर्ष के बीच बताई जा रही है। महिला के पास से कोई पहचान पत्र या मोबाइल नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

पुलिस जांच में जुटी, पहचान की कोशिश जारी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के थानों से संपर्क कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं महिला के लापता होने की कोई शिकायत दर्ज है या नहीं।

शव के टुकड़े इकट्ठा कर अस्पताल भेजा गया

घटना के बाद ड्यूटी पर मौजूद रेलवे पुलिस और यात्रियों की मदद से महिला के शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया गया। इसके बाद शव को पनवेल उपजिला अस्पताल भेजा गया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

पनवेल के विशेष POCSO न्यायालय ने एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामले में आरोपी लिंगाप्पा मल्लया पुजारी को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इस फैसले को पीड़िता के लिए न्याय के रूप में देखा जा रहा है।

इन धाराओं में सुनाई गई सजा

न्यायालय ने आरोपी को धारा 363 (अपहरण) में 5 साल की सजा और 25 हजार रुपये जुर्माना, धारा 354(B) में 5 साल की सजा और 25 हजार रुपये जुर्माना, धारा 376(2) में 10 साल की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माना सुनाई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। साथ ही जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में देने का आदेश दिया गया है।

पातालगंगा के पास वारदात को दिया अंजाम

घटना उस समय हुई जब मानसिक रूप से कमजोर नाबालिग पीड़िता पातालगंगा नदी से कपड़े धोकर घर लौट रही थी। इसी दौरान आरोपी ने जबरदस्ती उसे बाइक पर बैठाया और आईओसी कंपनी के पीछे झाड़ियों में ले जाकर दुष्कर्म किया।

चीख-पुकार सुनकर पहुंचीं महिलाएं, आरोपी फरार

पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद महिलाएं मौके पर पहुंचीं और आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। हालांकि, आरोपी उन्हें धक्का देकर मौके से फरार हो गया। बाद में महिलाओं ने पीड़िता को सुरक्षित घर पहुंचाया।

मां की शिकायत पर पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता की मां ने खोपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता से जांच करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और POCSO एक्ट के तहत मामला दर्ज कर चार्जशीट दाखिल की। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रतिक्षा वडे-वारंगे ने प्रभावी पैरवी की।

कंटेनर कार पर पलटा 3 की मौत, 5 घायल

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

रायगढ़ जिले के खोपोली के पास मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बुधवार को एक भीषण हादसा हो गया, जब ब्रेक फेल होने के बाद एक कंटेनर अनियंत्रित होकर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए एक कार पर पलट गया। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ब्रेक फेल होने से बिगड़ा संतुलन

पुलिस के अनुसार, यह घटना पुणे से मुंबई की ओर जाने वाली लेन में नई टनल के पास हुई। अचानक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और हादसा हो गया। अनियंत्रित कंटेनर ने रास्ते में चल रही कई गाड़ियों को टक्कर मारी और अंततः एक कार के ऊपर पलट गया, जिससे भारी नुकसान हुआ।

राहत-बचाव टीमों ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही खोपोली आ ई आ र बी पेट्रोलिंग, देवदूत सिस्टम, बोरघाट हाईवे ट्रैफिक पुलिस, खोपोली पुलिस, डेल्टा फोर्स और महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स की टीमें मौके पर पहुंचीं। सभी ने मिलकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों का इलाज जारी है। खोपोली पुलिस स्टेशन मामले की जांच कर रही है। मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है तथा हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

भुसावल मंडल में 6 रेल कर्मचारियों को मासिक सुरक्षा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने कर्तव्य के दौरान सतर्कता और उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए 6 कर्मचारियों को मासिक सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशस्ति पत्र तथा 1500 की नगद राशि शामिल है, जिससे कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ावा मिला। सम्मानित कर्मचारियों ने अपने कार्य के दौरान सतर्कता दिखाते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे रेल संचालन सुरक्षित और सुचारू बना रहा।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी

इस अवसर पर सम्मानित कर्मचारियों में मुख्य टिकट निरीक्षक रघुनाथ बारसकर, चल टिकट निरीक्षक छबीलदास वारके, लोको पायलट (माल) वी.एम. उके, ट्रैकमैन रतनलाल अवचारे और ऋषिकेश शिपी तथा पॉइंट्समैन चेतन अंबिकर शामिल हैं।

डीआरएम ने कर्मचारियों की सराहना की

मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि इन कर्मचारियों की निष्ठा और जागरूकता अन्य स्टाफ के लिए प्रेरणादायक है। इनके प्रयास यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम.के. मीना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अजित पवार विमान हादसा

दिल्ली तक पहुँची जांच की गूंज

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र
- विस्तृत और पारदर्शी जांच की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बारामती विमान हादसे को लेकर अब सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर विस्तृत और पारदर्शी जांच की मांग की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इस हादसे को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और विपक्ष भी जांच को लेकर दबाव बना रहा है। दरअसल, एनसीपी-एससी के विधायक रोहित पवार की मांग पर मुख्यमंत्री ने यह पहल की है। रोहित पवार ने 4 मार्च 2026 को एक पत्र भेजकर इस पूरे हादसे की गंभीर जांच कराने की अपील की थी। इसके बाद फडणवीस ने अमित शाह को लिखे पत्र में कहा कि इस दुर्घटना में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार और चार अन्य लोगों की मौत हुई थी, इसलिए इसकी जांच पूरी तरह निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए।

क्या पायलट और फ्लाइट नियमों का पालन हुआ था?

इस हादसे में पायलट की तैनाती को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। जानकारी के अनुसार आखिरी समय में पायलट बदले गए थे। साथ ही यह भी जांच की मांग की गई है कि क्या फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियमों का पालन हुआ था या नहीं। क्रू की रिपोर्टिंग प्रक्रिया और उनकी तैयारी को लेकर भी संदेह जताया गया है।

क्या विमान ऑपरेटर और सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल हैं?

पत्र में यह भी कहा गया है कि विमान चलाने वाली कंपनी एम/एस वीएसआर वेंचर्स के सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठ रहे हैं। बताया गया है कि 2023 में भी इसी ऑपरेटर से जुड़ा एक हादसा सामने आया था। साथ ही अंतरराष्ट्रीय एविएशन नियामकों की ओर से भी कुछ सुरक्षा संबंधी टिप्पणियां सामने आई थीं, जिससे नियामक निगरानी और नियमों के पालन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या विमान की तकनीकी स्थिति और डेटा में गड़बड़ी थी?

पत्र में विमान की मेंटेनेंस हिस्ट्री और उसकी तकनीकी स्थिति की जांच की मांग की गई है। इसमें तकनीकी लॉग, सुरक्षा सिस्टम और मरम्मत एजेंसियों की भूमिका की भी जांच जरूरी बताई गई है। इसके अलावा एयर ट्रैफिक कंट्रोल रिकॉर्ड, फ्लाइट रडार डेटा और ट्रांसपोंडर सिग्नल में अंतर जैसी बातों को भी गंभीर माना गया है। कॉकपिट रिकॉर्डिंग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। सबसे अहम सवाल लैंडिंग के समय लिए गए फैसलों पर उठ रहे हैं। कम विजिबिलिटी के बावजूद लैंडिंग की कोशिश क्यों की गई, रनवे का चुनाव कैसे हुआ, गो-अराउंड का फैसला क्यों नहीं लिया गया और वैकल्पिक एयरपोर्ट पर जाने का विकल्प क्यों नहीं अपनाया गया।

पहलगाम हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी को मिला नियुक्ति पत्र

- पुणे नगर निगम में बनी अधिकारी

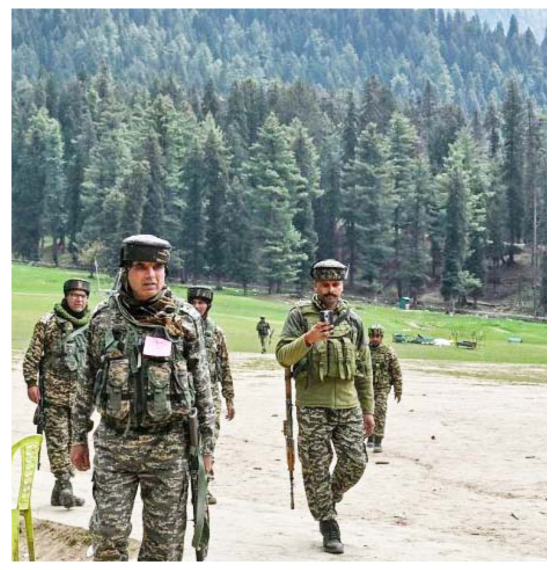

मुंबई/पुणे। पहलगाम आतंकी हमले को 11 महीने बीतने के बाद शहीद संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले को आखिरकार सरकारी नौकरी मिल गई है। उन्हें पुणे नगर निगम में द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

संतोष जगदाले, जो पुणे के निवासी थे, पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। इस हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई थी, जिससे पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई थी।

सरकार ने की थी मदद और नौकरी की घोषणा

हमले के बाद महाराष्ट्र सरकार ने पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिजनों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। इस योजना के तहत असावरी को यह नियुक्ति दी गई है। पिछले महीने असावरी जगदाले ने नौकरी में हो रही देरी को लेकर अपनी निराशा जाहिर की थी। उन्होंने बताया था कि पिता के निधन के बाद परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी जमा-पूंजी भी खत्म हो चुकी है।

उपमुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद मिली नौकरी

मामला सामने आने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुणे नगर निगम के आयुक्त नवल किशोर राम को निर्देश दिए कि असावरी को जल्द से जल्द सरकारी सेवा में शामिल किया जाए।
शिवाजीनगर स्थित पुणे नगर निगम मुख्यालय में आज असावरी जगदाले को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। यह कदम शहीद परिवार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

धाराशिव में भाजपा का बड़ा धमाका

तानाजी सावंत के भतीजे और सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 'दलबदल' और 'शक्ति प्रदर्शन' का दौर जारी है। बुधवार, 18 मार्च 2026 को मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बड़ी सांगठनिक जीत दर्ज की है। पूर्व मंत्री तानाजी सावंत के परिवार के सदस्यों और उनके समर्थकों का भाजपा में शामिल होना आगामी चुनावों से पहले धाराशिव (उस्मानाबाद) क्षेत्र में समीकरणों को बदल सकता है। पूर्व मंत्री और कद्दावर नेता तानाजी सावंत के लिए यह एक बड़ा व्यक्तिगत और राजनीतिक झटका माना जा रहा है। उनके भतीजे धनंजय सावंत (पूर्व उपाध्यक्ष, जिला परिषद) और उनकी पत्नी ज्योति सावंत ने औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ले ली है। परिवार के ही सदस्यों का विपक्षी खेमे में जाना क्षेत्र की राजनीति में नई चर्चाएं पैदा कर रहा है।

सैकड़ों कार्यकर्ताओं का रेला

मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम केवल दो चेहरों तक सीमित नहीं था। उनके साथ सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा का झंडा थामा। इससे ज़मीनी स्तर पर भाजपा का कैडर और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, खासकर ग्रामीण इलाकों में।

रवींद्र चव्हाण का 'सम्मान' वाला वादा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए भरोसा दिलाया कि भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि एक परिवार है। उन्होंने कहा कि नए आने वाले कार्यकर्ताओं को उनकी क्षमता के अनुसार उचित सम्मान और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी, ताकि वे संगठन के विस्तार में मदद कर सकें। चव्हाण ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ‘राष्ट्र प्रथम’ (Nation First) की भावना और महाराष्ट्र में हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास को देखकर ही लोग स्वतः स्फूर्त होकर भाजपा से जुड़ रहे हैं।

आगामी चुनावों पर असर

धाराशिव जिला परिषद और स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए यह घटनाक्रम काफी अहम है। सावंत परिवार का स्थानीय राजनीति पर गहरा प्रभाव रहा है, और अब उनके समर्थकों का भाजपा की ओर झुकना विपक्षी दलों के लिए चुनौती साबित हो सकता है।

पैसे के दम पर लोकतंत्र का गला घोंट रही है सरकार : संजय राउत

- बिहार, हरियाणा और ओडिशा में क्रॉस-वोटिंग पर मंचा बवाल, विपक्ष ने लगाए विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप

मुंबई। राज्यसभा चुनावों में बिहार, हरियाणा और ओडिशा में हुई क्रॉस-वोटिंग ने देश की सियासत में नया उबाल ला दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भाजपा पर 'धनबल' और 'सत्ता' के दुरुपयोग का सीधा आरोप लगाते हुए चुनावी शुचिता पर सवाल खड़े किए हैं। संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ़ कहा कि भाजपा ने केवल अपनी सीट संख्या बढ़ाने के लिए बिहार, हरियाणा और ओडिशा में विधायकों को तोड़ने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन की एकजुटता के बावजूद, भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद अपनाकर क्रॉस-वोटिंग करवाई, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

खड़गे के पत्र का समर्थन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा महिला आरक्षण को लेकर किरेन रिजिजू को लिखे गए पत्र का संजय राउत ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनहित के मुद्दों पर एकजुट है!

ओडिशा और 'कोयला घोटाले' का जिक्र

राउत ने सबसे बड़ा हमला ओडिशा के एक नवनिर्वाचित सदस्य को लेकर किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने एक ऐसे व्यक्ति को सदन में पहुँचाया है, जिस पर कोयला घोटाले के आरोप हैं और जिसे अदालत ने 3 साल की जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने पूछा कि क्या खुद को 'नीतिवान' कहने वाली पार्टी के पास यही मानदंड बचे हैं? शिवसेना सांसद ने कहा कि जब देश महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है, तब भाजपा नेता केवल अपनी 'जेब भरने' और 'कुर्सी बचाने' के खेल में व्यस्त हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वारस्य अभिव्यक्ति सूचना (EOI Notice)

पी/दक्षिण विभाग के अंतर्गत अनधिकृत फेरीवालों तथा बैनर/पोस्टर के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र की इच्छुक अशासकीय संस्थाओं (NGO/Agency) से मोहरबंद स्वारस्य अभिव्यक्ति (EOI) आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।
स्वारस्य अभिव्यक्ति प्रपत्र तथा योजना की शर्तें एवं नियम सहायक अभियंता (घकव्य), पी/दक्षिण के कार्यालय से 3300/- + 18% जीएसटी नकद भुगतान पर दिनांक 19/03/2026 से 26/03/2026 तक, प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं।
इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी हेतु महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर विजिट करें अथवा सहायक अभियंता (घकव्य), पी/दक्षिण से संपर्क करें।
इच्छुक संस्थाएं अपने आवेदन वरिष्ठ निरीक्षक (अतिक्रमण निर्मूलन), पी/दक्षिण के कार्यालय में दिनांक 19/03/2026 से 27/03/2026 तक, प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक जमा करें। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
योजना की शर्तों के अनुसार पात्र संस्थाओं में से 01 संस्था का चयन दिनांक 27/03/2026 को सायं 05:00 बजे अथवा कार्यालय की सुविधा अनुसार किया जाएगा।
चयन/सोडत के संबंध में अंतिम अधिकार महानगरपालिका के पास सुरक्षित रहेगा।

हस्ता/-
सहायक आयुक्त, पी/दक्षिण
बृहन्मुंबई महानगरपालिका

पीआरओ/3350/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग

निविदा सूचना

विभाग	सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट
उप-विभाग	उप मुख्य अभियंता (एस.डब्ल्यू.एम.) कार्यकारी अभियंता, परिवहन (शहर)
विषय	विभिन्न गैरेजों के लिए ऑटोमोबाइल उपकरण व औजारों की SITC
Bid No.	2026_MCGM_1288241_1
बोली शुरू होने की तिथि और समय	18.03.2026 दोपहर 04:00 बजे
बोली समाप्ति होने की तिथि और समय	23.03.2026, दोपहर 04:00 बजे तक
वेबसाइट	http://mahatenders.gov.in
ई-मेल	eetrcity@gmail.com

सही
कार्यकारी अभियंता, परिवहन (शहर)

पीआरओ/3349/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

Change Of Name
I have changed my name Yogesh Kumar Mishra to Yogesh Mishra as per documents, contact no.: 9930773739

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
Supply of 65mm Stone Ballast
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रमांक:** 08-2026-SrDENS, **कार्य का नाम:** Supplying and stacking on Railway ground 65mm machine crushed stone ballast as per latest specification of RDSO/LKO of Feb-2023 with latest amendments including royalty and fees etc and loading the same into Railway hoppers/wagons etc. as directed by ADEN at site at DUD depot. (Total 50,00 m3), **अनुमानित लागत:** रु. 5,27,29,500/-, **बयाना रकम:** 4,13,700/-, **समापन की अवधि:** 18 Months, **अनुरक्षण की अवधि:** NA, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर अपलोड करने की अंतिम दिनांक और समय:** 07.04.2026 को 15:00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय:** 07.04.2026 को 15:30 बजे तक, निविदाकारों से निवेदन है कि कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय-समय पर भेंट दें।
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
DE/Sur-08 मध्य रेलवे, सोलापुर
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सामान्य विद्युत सेवा
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्र.:** सोला/वि/नि/2025/37, **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अंतर्गत कलबुर्गी रेलवे स्टेशन पर नई पिट लाइन के प्रावधान के संबंधित कार्य का सामान्य विद्युत सेवा भाग। **कार्य की लागत:** रु. 1,86,23,708.30, **बोली प्रतिभूति:** रु.3,72,500/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दिनांक 09.04.2026 को 15:00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)
DE/Sur-09 मध्य रेलवे, सोलापुर
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

समान नागरिक संहिता के लिए डेडलाइन तय

विधान परिषद ने सरकार से मांगा एक महीने में जवाब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर राज्य सरकार की भूमिका स्पष्ट करने के लिए संबंधित विभागों को एक महीने के भीतर लिखित उत्तर देने के निर्देश दिए गए हैं। विधान परिषद में उपसभापति नीलम गोहें ने यह निर्देश भाजपा विधायक परिणय फुके के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर दिए।
उपसभापति ने कहा कि यदि तय समय सीमा में संबंधित विभागों से जवाब प्राप्त नहीं होता है, तो इस मुद्दे पर उनकी अथवा सभापति राम शिंदे की अध्यक्षता में विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इससे साफ है कि सरकार इस विषय पर विस्तृत चर्चा और स्पष्टता लाने के लिए गंभीर है।

उत्तराखंड मॉडल का दिया गया सुझाव

सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखते हुए विधायक परिणय फुके ने उत्तराखंड की तर्ज पर प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग की। इस पर उपसभापति ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विषय है और कई विभागों से जुड़ा हुआ है, इसलिए सरकार की ओर से सभी पहलुओं को समेटते हुए एक समग्र जवाब प्रस्तुत किया जाएगा।

मालाड पीएपी प्रोजेक्ट पर सरकार का स्टे

- 470 करोड़ के क्रेडिट नोट और टीडीआर खेल की होगी जांच

मुंबई। मालाड (पूर्व) में प्रोजेक्ट अफेक्टेड पर्सन (PAP) यानी प्रकल्प प्रभावितों के पुनर्वास के नाम पर करोड़ों रुपये के कथित घोटाले और अनियमितताओं ने अब तूल पकड़ लिया है। विधानसभा में नगर विकास और गृह निर्माण राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने इस मामले में अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय जांच का आदेश दिया है। मंत्री माधुरी मिसाल ने सदन में चौंकाने वाला खुलासा किया कि बीएमसी (BMC) द्वारा संबंधित बिल्डर को 470 करोड़ रुपये का क्रेडिट नोट और 100% टीडीआर (TDR) दे दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी सुविधा मिलने के बावजूद बिल्डर ने अब तक निर्माण की कोई ठोस योजना (Construction Plan) तक पेश नहीं की है।

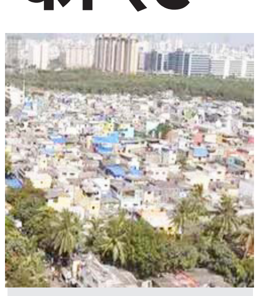

जमीन की कीमतों में भारी हेरफेर

जांच का एक मुख्य हिस्सा जमीन का मूल्यांकन है। आरोप है कि जमीन की कीमत को नोंदणी एवं मुद्रांक शुल्क विभाग द्वारा तय की गई आधिकारिक दरों से कहीं ज्यादा दिखाया गया है। सरकार अब यह पता लगाएगी कि क्या बिल्डर को फायदा पहुँचाने के लिए जानबूझकर सरकारी खजाने को चूना लगाया गया है।

'इको-सेंसिटिव जोन' और पर्यावरण का पेंच

यह विवाद केवल पैसों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन की लोकेशन पर भी सवाल हैं। यह जांच की जाएगी कि संबंधित भूखंड 'इको-सेंसिटिव जोन' के अंतर्गत आता है या नहीं। यदि ऐसा है, तो क्या इसके लिए वन विभाग से जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया गया था? मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच किसी सामान्य अधिकारी को नहीं, बल्कि अपर मुख्य सचिव को सौंपी गई है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जब तक विस्तृत जांच रिपोर्ट सरकार के पास नहीं आती और अनियमितताएं दूर नहीं होतीं, तब तक इस परियोजना पर कोई आगे का काम शुरू नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

ड्रग्स के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति

महाराष्ट्र में बढ़ते नशे के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने 'जीरो टॉलरेंस' (शून्य सहनशीलता) की नीति अपनाने का संकेत दिया है। यह नीति स्पष्ट संदेश देती है कि ड्रग्स के कारोबार, तस्करी और सेवन के खिलाफ अब किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महानगरों, विशेष रूप से मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में ड्रग्स नेटवर्क के फैलते प्रभाव ने सरकार को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य केवल ड्रग्स की आपूर्ति को रोकना ही नहीं, बल्कि इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म करना है। इसमें तस्करों, सप्लायर्स, फाइनेंसिंग नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन तक कार्रवाई का दायरा बढ़ाया जा रहा है। पुलिस और एंटी-नारकोटिक्स एजेंसियों को अधिक अधिकार और संसाधन दिए जा रहे हैं, ताकि वे बड़े रैकेट्स का पर्दाफाश कर सकें। हाल के महीनों में कई हाई-प्रोफाइल छापेमारी और गिरफ्तारी ने यह संकेत भी दिया है कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है। हालांकि, 'जीरो टॉलरेंस' का अर्थ केवल दंडात्मक कार्रवाई नहीं होना चाहिए। ड्रग्स की समस्या एक सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती भी है। युवाओं में बढ़ती नशे की लत केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, शिक्षा और पुनर्वास से ही नियंत्रित की जा सकती है। यदि केवल गिरफ्तारी और सजा पर जोर दिया जाएगा, तो यह समस्या जड़ से खत्म नहीं होगी। इसलिए जरूरी है कि सरकार नशा मुक्ति केंद्रों, काउंसलिंग सेवाओं और पुनर्वास कार्यक्रमों को भी समान महत्व दे। इस नीति के तहत स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाना भी बेहद जरूरी है। युवाओं को यह समझाना होगा कि ड्रग्स का सेवन उनके स्वास्थ्य, करियर और परिवार पर कितना गंभीर असर डाल सकता है। समाज और परिवार की भूमिका भी यहां अहम है। यदि शुरुआती संकेतों को समय रहते पहचाना जाए, तो कई युवाओं को इस दलदल में जाने से रोका जा सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है—कानून का निष्पक्ष और पारदर्शी क्रियान्वयन। 'जीरो टॉलरेंस' के नाम पर यदि निर्दोष लोगों को परेशान किया गया या छोटे उपभोक्ताओं को ही निशाना बनाया गया, जबकि बड़े तस्कर बच निकलते हैं, तो इस नीति की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे। इसलिए जरूरी है कि कार्रवाई का फोकस बड़े नेटवर्क को तोड़ने पर हो, न कि केवल छोटे मामलों पर। इसके अलावा, ड्रग्स की तस्करी एक अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय समस्या भी है। ऐसे में केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ समन्वय बेहद जरूरी है। समुद्री मार्गों और सीमाओं पर निगरानी बढ़ाना, खुफिया तंत्र को मजबूत करना और तकनीक का इस्तेमाल करना इस नीति की सफलता के लिए आवश्यक है। अंततः, महाराष्ट्र की 'जीरो टॉलरेंस' नीति एक मजबूत और सकारात्मक कदम है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाता है। सख्ती के साथ संवेदनशीलता, दंड के साथ सुधार और कानून के साथ जागरूकता—इन तीनों का संतुलन ही इस नीति को प्रभावी बना सकता है। यदि सरकार, समाज और परिवार मिलकर इस दिशा में काम करें, तो नशे के खिलाफ यह लड़ाई जीती जा सकती है और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकता है।

शख्सियत | एस. निजलिंगप्पा

आधुनिक कर्नाटक के निर्माता

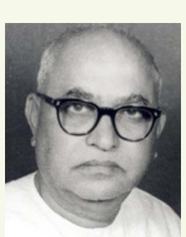

भारतीय राजनीति के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने न केवल सत्ता का संचालन किया, बल्कि सार्वजनिक जीवन में नैतिकता और सादगी के उच्च मानक भी स्थापित किए। इन्ही महापुरुषों में से एक थे एस. निजलिंगप्पा। 19 मार्च 1902 को कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के एक छोटे से गाँव में जन्मे सिद्धवनहल्ली निजलिंगप्पा का जीवन संघर्ष, समर्पण और दूरदृष्टि की एक अद्भुत गाथा है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

निजलिंगप्पा का जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा चित्रदुर्ग में हुई और बाद में उन्होंने बेंगलुरु के सेंट्रल कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने पुणे के लॉ कॉलेज से वकालत की पढ़ाई पूरी की। 1926 में उन्होंने एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया, लेकिन उनके भीतर देश सेवा की लौ जल रही थी। महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन की लहर ने उन्हें जल्द ही वकालत की सुख-सुविधाओं से दूर जनसेवा के मार्ग पर ला खड़ा किया।

1930 के दशक में निजलिंगप्पा पूरी तरह से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। उन्होंने मैसूर कांग्रेस के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई बार जेल गए। गांधीजी के सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा थी। उन्होंने खादी को अपनाया और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निरंतर संघर्ष किया। उनकी संगठनात्मक क्षमता इतनी प्रभावी थी कि वे जल्द ही कर्नाटक के सबसे बड़े नेताओं में शुमार हो गए। स्वतंत्रता के बाद निजलिंगप्पा का सबसे बड़ा योगदान 'एकीकृत कर्नाटक' के निर्माण में रहा। उस समय कन्नड़ भाषी क्षेत्र अलग-अलग रियासतों और प्रांतों में बंटे हुए थे। निजलिंगप्पा ने इन सबको एक सूत्र में पिरोने के लिए दशकों तक आंदोलन किया। अंततः 1956 में विशाल मैसूर राज्य (जो बाद में कर्नाटक बना) का गठन हुआ और वे इसके प्रथम मुख्यमंत्री बने।

मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल विकास का स्वर्ण युग माना जाता है। उन्होंने कृषि, सिंचाई और औद्योगिकीकरण पर विशेष जोर दिया। कर्नाटक के प्रसिद्ध 'शरावती जलविद्युत परियोजना' और कई बड़े बांधों का निर्माण उन्हीं की दूरदर्शिता का परिणाम था। उन्होंने राज्य में शिक्षा और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया, जिसका लाभ आज भी कर्नाटक की जनता को मिल रहा है। 1960 के दशक के अंत में निजलिंगप्पा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। यह वह दौर था जब कांग्रेस एक बड़े वैचारिक बदलाव से गुजर रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ उनके मतभेदों के कारण 1969 में कांग्रेस का ऐतिहासिक विभाजन हुआ। निजलिंगप्पा 'सिंडिकेट' गुट के प्रमुख नेता थे, जो दल के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत मर्यादाओं के पक्षधर थे। सत्ता के समीकरण बदले, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। निजलिंगप्पा का जीवन आज के राजनेताओं के लिए एक मार्गदर्शिका है।

भारत के विभिन्न राज्यों में धर्मांतरण विरोधी बिल

आस्था की स्वतंत्रता और सामाजिक संतुलन की चुनौती

मुनीब चौरसिया
युवा पत्रकार

महाराष्ट्र में प्रस्तावित धर्मांतरण विरोधी बिल का उद्देश्य कथित रूप से जबरन, धोखे से या लालच देकर किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकना बताया जा रहा है। सरकार का तर्क है कि कमजोर और वंचित वर्गों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराना सामाजिक संतुलन के लिए हानिकारक है, और इसे रोकना राज्य की जिम्मेदारी है। पहली नजर में यह तर्क उचित प्रतीत होता है, क्योंकि किसी भी प्रकार का दबाव या धोखाधड़ी लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

भारत में धर्म और आस्था केवल निजी विश्वास का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पहचान का भी आधार हैं। ऐसे में धर्मांतरण (Conversion) का मुद्दा समय-समय पर राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र बनता रहा है। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किए गए हैं। अब महाराष्ट्र में भी इस तरह के विधेयक (बिल) को लेकर चर्चा तेज हो गई है, जिसने इस बहस को एक नया आयाम दे दिया है।

महाराष्ट्र में प्रस्तावित धर्मांतरण विरोधी बिल का उद्देश्य कथित रूप से जबरन, धोखे से या लालच देकर किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकना बताया जा रहा है। सरकार का तर्क है कि कमजोर और वंचित वर्गों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराना सामाजिक संतुलन के लिए हानिकारक है, और इसे रोकना राज्य की जिम्मेदारी है। पहली नजर में यह तर्क उचित प्रतीत होता है, क्योंकि किसी भी प्रकार का दबाव या धोखाधड़ी लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। लेकिन इस मुद्दे का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता देता है। इसका अर्थ यह भी है कि व्यक्ति को अपनी इच्छा से धर्म बदलने का अधिकार है। ऐसे में जब राज्य धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करता है—जैसे पूर्व सूचना देने या प्रशासन से अनुमति लेने की शर्त—तो यह सवाल उठता है कि क्या यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन है? महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील और बहुलतावादी राज्य में यह बहस और भी संवेदनशील हो जाती है। यहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग लंबे समय से साथ रहते आए हैं। यदि कोई कानून ऐसा बनता है, जिससे किसी विशेष

समुदाय को लक्षित किए जाने का संदेह पैदा हो, तो यह सामाजिक समरसता को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि इस बिल को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इन कानूनों का एक विवादास्पद पहलू यह भी है कि वे "प्रलोभन" और "जबरन" जैसे शब्दों की व्याख्या कैसे करते हैं। क्या शिक्षा, स्वास्थ्य या आर्थिक सहायता को प्रलोभन माना जाएगा? यदि कोई संस्था गरीबों की मदद करती है और लोग उससे प्रभावित होकर उसकी आस्था को अपनाते हैं, तो क्या इसे गैरकानूनी माना जाएगा? इन सवालों के स्पष्ट और न्यायसंगत उत्तर दिए बिना कानून का दुरुपयोग होने की आशंका बनी रहती है।

इसके अलावा, कुछ राज्यों में इन कानूनों को "लव जिहाद" जैसी अवधारणाओं से भी जोड़ा गया है, जहां अंतरधार्मिक विवाह को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि बालिग व्यक्तियों को अपनी पसंद से विवाह करने और धर्म चुनने का पूर्ण अधिकार है। ऐसे में यदि धर्मांतरण विरोधी कानूनों का इस्तेमाल व्यक्तिगत संबंधों में हस्तक्षेप के लिए होता है, तो यह संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत होगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच स्पष्ट मतभेद हैं। कुछ इसे सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक बताते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक ध्रुवीकरण का माध्यम मानते हैं। महाराष्ट्र में भी यह मुद्दा केवल कानूनी नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनता जा रहा है। आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी इस तरह के कानूनों को लागू करना आसान नहीं होता। हर धर्म परिवर्तन की जांच करना, उसकी मंशा को परखना और यह तय करना कि वह स्वेच्छा से हुआ है या दबाव में—यह एक जटिल और संवेदनशील प्रक्रिया है। यदि प्रशासनिक मशीनरी निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं रही, तो निर्दोष लोगों को परेशान होने का खतरा बढ़ सकता है।

इस संदर्भ में समाज पर पड़ने वाले प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि लोगों को यह महसूस होता है कि उनकी धार्मिक स्वतंत्रता सीमित की जा रही है, तो यह असंतोष और अविश्वास को जन्म दे सकता है। दूसरी ओर, यदि जबरन धर्मांतरण की घटनाएं वास्तव में हो रही हैं और उन पर रोक नहीं लगाई जाती, तो यह भी सामाजिक तनाव का कारण बन सकता है।

अंततः, महाराष्ट्र में प्रस्तावित धर्मांतरण विरोधी बिल एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें कानून, राजनीति, समाज और व्यक्तिगत स्वतंत्रता सभी जुड़े हुए हैं। इसका समाधान किसी एकतरफा दृष्टिकोण में नहीं, बल्कि संतुलित और संवेदनशील नीति में निहित है। आज जरूरत इस बात की है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर व्यापक संवाद किया जाए, सभी पक्षों की चिंताओं को सुना जाए और ऐसा समाधान निकाला जाए जो संविधान की भावना के अनुरूप हो। तभी भारत अपनी विविधता, सहिष्णुता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती से आगे बढ़ा सकेगा।

हमारी गीता

अर्जुन विषाद और जीवन के द्वंद्व का समाधान

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता का प्रारंभ 'अर्जुन विषाद योग' से होता है, जो केवल एक योद्धा के शोक की गाथा नहीं, बल्कि हर मनुष्य के मन की उस अवस्था का चित्रण है जब वह कर्तव्य और मोह के बीच फंस जाता है। कुरुक्षेत्र के मैदान में जब अर्जुन ने अपने ही परिजनों को शत्रु के रूप में सामने देखा, तो उसके हाथ से धनुष-बाण गिर गए। वह सोचने लगा कि यदि इस युद्ध में धर्म ही न रहा, तो अधर्म का बोलबाला हो जाएगा। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि अर्जुन का विषाद केवल साधारण दुख नहीं था, बल्कि यह एक गहरी मानसिक व्याधि थी।

जिस प्रकार एक कुशल डॉक्टर लक्षणों को देखकर बीमारी की पहचान करता है, उसी प्रकार हमारे शास्त्रों ने विषाद के गहरे लक्षणों का विश्लेषण किया है। अर्जुन में वे सभी 10 लक्षण दिखाई दे रहे थे जो जीवन के मार्ग में विघ्न बनते हैं। पहला लक्षण है व्याधि, जहाँ मन के विक्षेप के कारण शरीर कांपने लगता है और ज्वर जैसा अनुभव होता है। दूसरा स्त्यान या प्रमाद है, जिसमें व्यक्ति को सही मार्ग पता होते हुए भी कुछ करने की इच्छा नहीं रहती। तीसरा संशय है, जहाँ मन असुरक्षित होकर अपशकुन और भविष्य के बुरे परिणामों की कल्पना करने लगता है। इसके बाद भ्रांतिदर्शन आता है, जिसमें मनुष्य सत्य को छोड़कर अपनी कल्पनाओं को

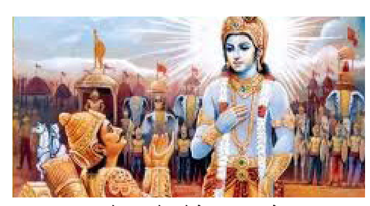

ही सच मान बैठता है, जैसे अर्जुन को अत्याचारी कौरवों पर व्यर्थ की दया आने लगी। अलब्ध भूमिकत्व में व्यक्ति स्वयं को वह मान बैठता है जो वह वास्तव में नहीं है; यहाँ अर्जुन स्वयं भगवान को ही धर्म का पाठ पढ़ाने लगा। इसके अन्य लक्षण स्तब्धी भाव (जड़ हो जाना), दुख (आंसुओं पर नियंत्रण न रहना), दौर्मनस्य (स्वयं और दूसरों के प्रति नकारात्मक सोच), अंगमेजयत्व (शरीर की चंचलता) और अंततः लय यानी मन का शून्य हो जाना हैं। यह विषाद किसी एक युग या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। चाहे व्यक्ति शिक्षित हो या अनपढ़, अमीर हो या गरीब, स्त्री हो या पुरुष—जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हर कोई इस मानसिक द्वंद्व से गुजरता है।

अर्जुन का यह विषाद वास्तव में गीता के ज्ञान की भूमिका तैयार करता है। जब मनुष्य अपनी सीमाओं को स्वीकार कर लेता है, तभी वह उस दिव्य ज्ञान का अधिकारी बनता है जो उसे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

जीवन ऊर्जा

रिचर्ड बर्टन : जन्म - 19 मार्च 1821 | जन्म

भय के बावजूद आगे बढ़ने को साहस कहते हैं

प्रसिद्ध ब्रिटिश अन्वेषक और भाषाविद सर रिचर्ड बर्टन का जन्म 19 मार्च 1821 को टॉर्के, इंग्लैंड में हुआ था। वे अपनी साहसी यात्राओं और 'अरेबियन नाइट्स' जैसी कृतियों के अनुवाद के लिए विश्व विख्यात रहे। उनकी मृत्यु 20 अक्टूबर 1890 को 69 वर्ष की आयु में ट्राएस्टे, ऑस्ट्रिया-हंगरी (अब इटली) में हुई।

जो व्यक्ति अपनी मातृभूमि से प्रेम नहीं करता, वह किसी से प्रेम नहीं कर सकता। जो सत्य को नहीं खोजता, वह अंधकार में ही जीता है, क्योंकि ज्ञान ही वह प्रकाश है जो आत्मा को मुक्त करता है और संसार की सीमाओं से परे ले जाता है।

भाषाएं केवल शब्द नहीं, बल्कि संस्कृतियों की खिड़कियां हैं और एक नई भाषा सीखना एक नई आत्मा को पाने जैसा है। जो व्यक्ति जितना अधिक जानता है, वह उतना ही अधिक विनम्र होता है। साहस वह नहीं जो भय की अनुपस्थिति हो, बल्कि वह है जो भय के बावजूद आगे बढ़ने की प्रेरणा दे। अन्वेषण केवल नक्शों पर रेखाएं खींचना नहीं, बल्कि मानव चेतना की

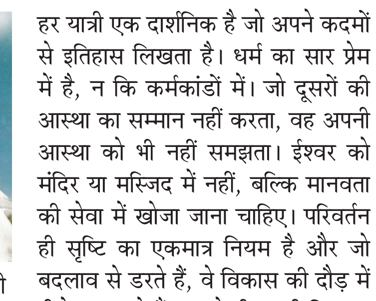

सीमाओं को विस्तार देना है। सत्य कभी स्थिर नहीं रहता, वह बहती नदी की तरह है जिसे हर युग को अपने तरीके से खोजना पड़ता है। विश्वास बिना तर्क के केवल एक मानसिक बेड़ी है जिससे मुक्त होना ही वास्तविक स्वतंत्रता है। यात्राएं व्यक्ति को यह सिखाती हैं कि दुनिया कितनी विशाल है और हमारी धारणाएं कितनी संकीर्ण हैं।

हर यात्री एक दार्शनिक है जो अपने कदमों से इतिहास लिखता है। धर्म का सार प्रेम में है, न कि कर्मकांडों में। जो दूसरों की आस्था का सम्मान नहीं करता, वह अपनी आस्था को भी नहीं समझता। ईश्वर को मंदिर या मस्जिद में नहीं, बल्कि मानवता की सेवा में खोजा जाना चाहिए। परिवर्तन ही सृष्टि का एकमात्र नियम है और जो बदलाव से डरते हैं, वे विकास की दौड़ में पीछे छूट जाते हैं। अपने भीतर की जिज्ञासा को कभी मरने न दें। मौन रहना कभी-कभी हजार शब्दों से अधिक प्रभावशाली होता है, पर जहाँ अन्याय हो, वहाँ चुप रहना कायरता है। जीवन एक महान साहसिक कार्य है जिसे पूरे जुनून के साथ जीना चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

महाकाल के दर्शन से होता है अलौकिक लाभ

अवंतिका नगरी उज्जैन में विराजित भगवान महाकाल के दर्शन का सबसे बड़ा और सर्वोपरि लाभ अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति है। शास्त्रों के अनुसार, जो महाकाल का अनन्य भक्त होता है, काल भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग होने के कारण यहाँ की ऊर्जा अत्यंत शक्तिशाली मानी जाती है, जो भक्त की कुंडली के गंभीर दोषों और मृत्यु योग को टालने की

क्षमता रखती है। विशेष रूप से भस्म आरती में सम्मिलित होने से मनुष्य के संचित पापों का नाश होता है और उसे लंबी आयु के साथ-साथ शनि व मंगल जैसे ग्रहों की प्रतिकूलता से भी शांति प्राप्त होती है।

मानसिक शांति और तनावपूर्ण जीवन से मुक्ति के लिए महाकाल का दरबार एक दिव्य औषधि के समान है। क्षिप्रा तट पर स्थित इस मंदिर के गर्भगृह की ऊर्जा और वहाँ होने वाला निरंतर 'ॐ नमः शिवाय' का जाप मस्तिष्क की तंत्रिकाओं को शांत करता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब मनुष्य स्वयं को अकेला और अशांत पाता है, तब महाकाल की शरण में बैठने से उसे अद्भुत एकाग्रता और आंतरिक बल प्राप्त होता है। यह दर्शन केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि मानसिक विकारों और नकारात्मक विचारों को जड़ से समाप्त करने की एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

महाकाल के दर्शन जीव को जन्म-मरण के चक्र से मुक्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर करते हैं। उज्जयिनी को मोक्षदायिनी नगरी माना जाता है, जहाँ महादेव स्वयं 'काल' के अधिपति के रूप में विराजमान हैं। यहाँ भक्त जब अपने अहंकार को त्यागकर महादेव के चरणों में शीश नवाता है, तो उसे जीवन की नश्वरता का वास्तविक बोध होता है। महाकाल को अर्पित की जाने वाली भस्म हमें निरंतर यह याद दिलाती है कि अंत में सब कुछ राख हो जाना है, इसलिए संसार की मोह-माया में फंसने के बजाय सत्य की खोज करना ही जीवन का असली उद्देश्य है।

अंततः, महाकाल की भक्ति मनुष्य के भीतर साहस और वैराग्य का संचार करती है। वे समस्त बुरी शक्तियों, नकारात्मक ऊर्जा और शत्रु भय का विनाश करने वाले 'रुद्र' हैं। जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा के साथ महाकाल का स्मरण करता है, उसके चारों ओर एक अभेद्य सुरक्षा कवच निर्मित हो जाता है, जिससे कोई भी बाहरी बाधा उसे विचलित नहीं कर पाती। यह दर्शन हमें विनम्रता के साथ जीना और हर परिस्थिति में अडिग रहना सिखाता है। साक्षात शिव के इस रूप का सानिध्य पाकर भक्त स्वयं को परमात्मा के अत्यंत निकट अनुभव करता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

आम आदमी पार्टी चुनाव हारी नहीं बल्कि बीजेपी ने चुनाव हथिया लिया है। उन्होंने कहा, मैं पीएम मोदी को चैलेंज करता हूं कि आज दिल्ली में चुनाव करा लो, बीजेपी को 10 से ज्यादा सीटें नहीं आएंगी जबकि आम आदमी पार्टी को 60 से ज्यादा सीटें आएंगी।

अरविंद केजरीवाल
अध्यक्ष,आप पार्टी

आपके 25 विधायक हैं। तेजस्वी यादव में नैतिक बल नहीं है कि लिख कर विधानसभाध्यक्ष को दे दें। अगर देंगे तो 24 पर आ जाएंगे। 24 पर आएंगे तो वो विपक्ष के नेता नहीं रहेंगे। साथ ही साथ आपने फैसल रहमान के बारे में अपरोक्ष रूप से यह कह दिया कि धनतंत्र का प्रभाव हुआ है।

नीरज कुमार
जदयू प्रवक्ता

मुझे 2016-17 का वह समय याद आता है जब यूपी गुंडों और माफियाओं का प्रदेश बन चुका था। अखिलेश यादव के कार्यकाल में खजाना खाली था और कानून का राज खत्म हो चुका था। उन्होंने हर जाति के साथ छल किया, जिसके कारण निवेशक उत्तर प्रदेश आने को तैयार नहीं थे।

केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

'मैं देवगौड़ा को बहुत दिन से, 54 सालों से जानता हूं। उनके साथ ही मैं काम किया, लेकिन क्या मुझे मालूम नहीं। वह तो प्रेम हमारे साथ किए, लेकिन शादी मोदी साहब के साथ कर लिए। ये हाल ही में हुए। तो आप कैसे माने ये मुझे मालूम नहीं है।

मल्लिकार्जुन खरगे
अध्यक्ष, कांग्रेस

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

एलटीटी-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस की कोच संरचना में संशोधन

मुंबई। रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 12219/12220 एलटीटी-सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस को नई संशोधित संरचना के साथ चलाने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत अब इस ट्रेन में एक एसी फर्स्ट, चार एसी-2 टियर, 13 एसी-3 टियर और दो जनरेटर कार शामिल होंगे। यह बदलाव सिकंदराबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन (12220) के लिए 24 अप्रैल 2026 से और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) से प्रस्थान करने वाली ट्रेन (12219) के लिए 25 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अधिक आरामदायक और व्यवस्थित यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

ठाणे मनपा का 20 अप्रैल को लोकशाही दिन का आयोजन

ठाणे। तालुका लेवल पर लोकशाही दिन की तरह मनपा भी हर महीने के तीसरे सोमवार को ज़ोन लेवल पर लोकशाही दिन का आयोजन करता है ताकि नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतों का तुरंत समाधान हो सके। इसके अनुसार, लोकशाही दिन सोमवार, 20 अप्रैल, 2026 को होगा। ठाणे मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस लोकशाही दिन के लिए 6 अप्रैल तक अपने रिप्रेजेंटेशन जमा करें।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण से ही संभव सतत विकास: डॉ. नीलम गोर्हे

मुंबई। सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकना और उन्हें पर्याप्त संसाधन व तकनीक उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति कार्यालय और स्त्री आधार केंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में विशेषज्ञों ने इस पर जोर देते हुए कहा कि कानूनी सुधार, सशक्त न्यायपालिका और प्रभावी नीतियों के माध्यम से ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे, सांसद डॉ. डी. पुरंदेश्वरी समेत कई विशेषज्ञों ने 'निर्भया' योजना के बेहतर क्रियान्वयन, आर्थिक साक्षरता, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों और लैंगिक समानता पर बल दिया। साथ ही पुलिस बल को संवेदनशील बनाने और वैश्विक मानकों जैसे CEDAW के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने की जरूरत बताई गई। वेबिनार में यह निष्कर्ष निकला कि जब तक महिलाएं सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर नहीं होंगी, तब तक सतत विकास के लक्ष्य अधूरे रहेंगे।

वसई-विरार के नए डेवलपमेंट प्लान पर सरकार का 'फुल थ्रॉटल'

राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने विधानसभा में दिया भरोसा, समय सीमा में पूरा होगा काम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/वसई

वसई-विरार क्षेत्र के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने वाले सुधारित डेवलपमेंट प्लान (DP) को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने अपनी रफ़्तार बढ़ा दी है। विधानसभा में नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने स्पष्ट किया कि पालघर जिले के इस बढ़ते शहरी क्लस्टर के लिए विकास योजना को समय सीमा के भीतर पूरा कर लागू किया जाएगा। राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने सदन को आश्वस्त किया कि वसई-विरार महानगरपालिका (VVMC) का नया डेवलपमेंट प्लान किसी भी देरी के बिना, निर्धारित समय के भीतर घोषित किया जाएगा। इसकी आधिकारिक घोषणा अक्टूबर 2023 में की गई थी और अब तक इसके प्रारंभिक सर्वेक्षण और डेटा संग्रह जैसे चरण पूरे हो चुके हैं।

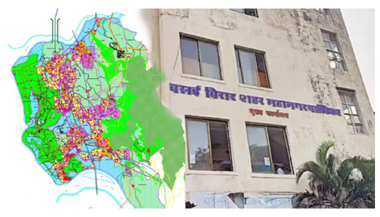

बुलेट ट्रेन और भविष्य की परियोजनाएं

इस नए प्लान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) जैसी मेगा परियोजनाओं को पहले ही शामिल कर लिया गया है। इसका मतलब है कि भविष्य में रेलवे कॉरिडोर के आस-पास होने वाले निर्माण और बुनियादी ढांचे में कोई कानूनी अड़चन नहीं आएगी।

एक्सपर्ट कंसल्टेंट और गुणवत्ता पर जोर

प्लान केवल कागजों पर न रहे, बल्कि जमीन पर भी असरदार हो, इसके लिए एक प्रोफेशनल कंसल्टेंट की नियुक्ति की गई है। यह कंसल्टेंट यह सुनिश्चित करेगा कि बढ़ती आबादी के हिसाब से सड़कों, पानी की लाइनों और ड्रेनेज सिस्टम का सटीक नियोजन हो। वसई-विरार की प्राकृतिक सुंदरता और हरित पट्टों (Green Zones) को बचाने के मुद्दे पर विधायक राजन नाईक ने चिंता जताई थी। इस पर मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी, ताकि स्थानीय लोगों की शिकायतों और सुझावों को योजना में जगह मिल सके।प्रशासनिक मजबूती के लिए वसई-विरार महानगरपालिका में आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) स्तर के पूर्णकालिक आयुक्त की नियुक्ति की मांग लंबे समय से हो रही है। सरकार ने इस पर सकारात्मक रूप से विचार करने का वादा किया है, जिससे शहर के विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति आने की उम्मीद है।

दिव्यांगजनों के लिए डिजिटल वरदान

अब एक ही क्लिक पर मिलेंगी सभी सरकारी योजनाएँ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के दिव्यांग कल्याण विभाग ने दिव्यांगजनों के लिए एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए ₹दिव्यांग सहायक पोर्टल₹ की शुरुआत की है। यह एक 'सिंगल विंडो' डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसका अर्थ है कि अब दिव्यांग नागरिकों को अलग-अलग सरकारी योजनाओं और सेवाओं के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी; सब कुछ एक ही जगह ऑनलाइन उपलब्ध होगा। अक्सर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए दिव्यांगजनों को अलग-अलग विभागों में जाना पड़ता था। अब इस पोर्टल के जरिए पेंशन, उपकरण सहायता, शिक्षा और रोजगार जैसी तमाम योजनाओं की जानकारी और आवेदन एक ही वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। यह ₹घर बैठे सेवा₹ देने की दिशा में बड़ा कदम है।

e-KYC है अनिवार्य

जिन दिव्यांग भाई-बहनों के पास पहले से UDID कार्ड है, उन्हें पोर्टल पर अपना e-KYC पूरा करना होगा। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करने के लिए है कि योजना का लाभ सही और पात्र व्यक्ति तक ही पहुँचे और सिस्टम में पारदर्शिता बनी रहे। यह पोर्टल केवल नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि दिव्यांग क्षेत्र में काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों (NGOs) के लिए भी है। उन्हें भी इस पर रजिस्टर करने की अपील की गई है ताकि वे सरकार के साथ मिलकर सेवाओं की डिलीवरी को और बेहतर बना सकें।

रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी दस्तावेज

पोर्टल पर 'सिटिजन लॉगिन' के जरिए पंजीयन करते समय निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता होगी:

आधार कार्ड और मोबाइल नंबर।

UDID कार्ड (विकलांगता का प्रमाण 40% से अधिक होना अनिवार्य है)।

बैंक अकाउंट का पूरा विवरण (ताकि लाभ सीधे खाते में पहुँचे)।

पासपोर्ट साइज फोटो और अन्य संबंधित कागजात।

पश्चिम रेलवे की 11 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से 11 स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली 8 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों में विस्तार

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और गर्मी की छुट्टियों के दौरान बढ़ती मांग को देखते हुए बांद्रा टर्मिनस से गुजरात के विभिन्न शहरों के लिए चलने वाली 8 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि को जुलाई 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस विस्तार के तहत भावनगर साप्ताहिक स्पेशल (09207/08) अब 31 जुलाई तक, गांधीधाम स्पेशल (09415/16) और वेरावल स्पेशल (09017/18) 30 जुलाई तक, तथा उधना 5-दिवसीय स्पेशल (09055/56) को 29 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, भुज के लिए चलने वाली विभिन्न स्पेशल ट्रेनों (09037/38, 09009/10, 09011/12) और उधना द्वि-साप्ताहिक स्पेशल (09035/36) के फेरों में भी जुलाई के अंत तक वृद्धि की गई है।

गांधीग्राम–बोटाद डेली स्पेशल, भावनगर टर्मिनस–गांधीग्राम डेली स्पेशल और भावनगर टर्मिनस–धोला डेली स्पेशल

ट्रेन संख्या 09211 गांधीग्राम–बोटाद स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09212 बोटाद–गांधीग्राम स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09216 भावनगर टर्मिनस–गांधीग्राम स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09215 गांधीग्राम–भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09530 भावनगर टर्मिनस–धोला स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09529 धोला–भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

गुड़ी पड़वा पर मिला हक का घर | ठाणे के पत्रकारों का 'गृह-प्रवेश'

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के पत्रकारों के लिए इस साल की गुड़ी पड़वा खुशियों की एक नई सौगात लेकर आई है। वर्षों के इंतजार और लगातार कोशिशों के बाद, आखिरकार पत्रकारों को उनके हक के घरों की चाबियाँ और मालिकाना हक के दस्तावेज सौंप दिए गए। हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के पावन मौके पर ठाणे के पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी आई। कोलशेत इलाके की संजीव आशर बिल्डिंग में MHADA लॉटरी के तहत पात्र पाए गए पत्रकारों को उनके घरों का कब्जा मिल गया। इस मौके पर पत्रकारों के परिवारों के चेहरे पर सुकून और खुशी साफ देखी जा सकती थी।

संजय पितले की मेहनत लाई रंग

इस पूरी पहल का मुख्य श्रेय ठाणे जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय पितले को दिया गया। उन्होंने सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर और लगातार 'फॉलो-अप' लेकर MHADA से पजेशन पेपर्स और चाबियाँ हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने उनके इस समर्पण की सार्वजनिक रूप से सराहना की।

चाबियाँ सौंपने का भव्य कार्यक्रम

मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में पत्रकारों को चाबियाँ दी गईं। इस दौरान डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, डिप्टी डायरेक्टर मनोज सानप और पत्रकार जगत के कई दिग्गज जैसे दीपक दलवी, आनंद कांबले और तुषार राजे मौजूद थे। समारोह के दौरान मेयर ने एक और महत्वपूर्ण संकेत दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के अनुभव और शहर की समस्याओं की उनकी समझ को देखते हुए उन्हें ठाणे सिटी प्लानिंग कमेटी का हिस्सा बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

सरकार और प्रशासन का साथ

डिप्टी सीएम और हाउसिंग मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जिन पत्रकारों ने अपने घरों की पूरी रकम चुका दी है, उन्हें त्यौहार के मौके पर ही घर सौंप दिए जाएं। इसी आदेश पर अमल करते हुए MHADA ने तेजी से कागजी कार्यवाही पूरी की और पत्रकारों का रास्ता साफ किया।

अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में भारतीय रेल की प्रगति से कराया अवगत

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली/मुंबई

भारतीय रेल के कायाकल्प और बजट 2026-27 की नई घोषणाओं को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में जानकारी दी। 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजट के साथ भारतीय रेल अब ₹धीमी गति₹ से निकलकर ₹सुपर-फास्ट ट्रांसफॉर्मेशन₹ के युग में प्रवेश कर चुकी है। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली उपनगरीय सेवाओं को मजबूत करने के लिए 238 नई ट्रेनें बनाई जा रही हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, इन सभी ट्रेनों में ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम (स्वचालित दरवाजे) लगाए जाएंगे। इससे चलती ट्रेन से गिरने जैसी दुर्घटनाओं पर लगाम लगेगी।

स्टेशनों का नया चेहरा

रेलवे केवल नई लाइनें ही नहीं बिछा रहा, बल्कि पुराने स्टेशनों का भी 'कायाकल्प' कर रहा है। भरूच, वडोदरा, आणंद और अहमदाबाद जैसे स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। नदियों पर बड़े पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही में रुकावटें कम होंगी।

आम आदमी को भारी 'सब्सिडी' का सहारा

सरकार रेल यात्रा को किफायती बनाए रखने के लिए भारी निवेश कर रही है। रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेल प्रत्येक यात्री को टिकट की वास्तविक लागत पर लगभग 45% की सब्सिडी दे रही है। विशेष रूप से मुंबई की लोकल सेवाओं के लिए सरकार 3,000 करोड़ की अलग से सब्सिडी प्रदान कर रही है, ताकि आम जनता की जेब पर बोझ न बढ़े।

सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल का विस्तार

देश की सीमाओं को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जा रहे हैं। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में देशलपर से हाजीपीर और वायोर से लखपत जैसे दुर्गम खंडों के लिए सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। इससे न केवल सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

बुलेट ट्रेन: सपनों की रफ़्तार अब हकीकत के करीब

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट की प्रगति के आंकड़े उत्साहवर्द्धक हैं। 300 किमी से अधिक वायाडक्ट (पुल जैसा ढांचा) और 426 पियर (खंभे) तैयार हो चुके हैं। 168 किमी ट्रैक बिछाया जा चुका है और 146 किमी में बिजली के तार (OHE) लगाने के खंभे खड़े हो गए हैं। भारत की पहली समुद्र के नीचे वाली रेल सुरंग पर काम तेजी से चल रहा है। बीकेसी (मुंबई), साबरमती, सूरत और वापी जैसे स्टेशनों का काम अंतिम चरणों में है।

पश्चिम रेलवे की 57 जांबाज महिला कर्मचारी सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित यह विशेष सम्मान समारोह महिला रेल कर्मचारियों की मेहनत, सूझबूझ और उनके अटूट समर्पण को समर्पित रहा। 16 मार्च 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि भारतीय रेल के पहियों को गति देने में महिलाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं से लोहा मनवाने वाली 57 महिला कर्मचारियों को इस समारोह में विशेष रूप से चुना गया। संगठन की अध्यक्षा ईशा मलिक ने इन सभी को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, यह कार्यक्रम उन महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त करने का एक जरिया था, जो रेलवे जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में उच्च स्तर की व्यावसायिकता बनाए रखती हैं। चाहे सिग्नलिंग हो, प्रशासन हो या तकनीकी काम, इन महिलाओं ने हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत साबित की है।

वर्क-लाइफ बैलेंस का मंत्र

ईशा मलिक ने अपने संबोधन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने प्रशंसा की कि कैसे ये महिला कर्मचारी अपने कठिन व्यावसायिक दायित्वों को निभाते हुए अपने निजी जीवन और परिवार के बीच शानदार संतुलन बनाए रखती हैं। यह क्षमता उन्हें औरों से अलग और खास बनाती है। पुरस्कार विजेताओं को संबोधित करते हुए अध्यक्षा ने उन्हें एक नई जिम्मेदारी भी सौंपी। उन्होंने प्रेरित किया कि वे कार्यस्थल से आगे बढ़कर समाज में बालिकाओं की शिक्षा के लिए काम करें। उन्होंने जोर दिया कि लड़कियों को आत्मविश्वासी, स्वतंत्र और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सही मार्गदर्शन देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, नई योजनाएं बनेंगी।

वृष वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी। अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

मिथुन अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे।

कर्क तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा।

कन्या संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

तुला वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

वृश्चिक चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

धनु घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

कुंभ पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

मीन पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

पितरों की उपेक्षा और जीवन की अदृश्य बाधाएं: एक गहन समझ और समाधान की कथा

प्रियंका जैन
97699 94439

मानव जीवन केवल वर्तमान में जीने का नाम नहीं है, बल्कि यह अतीत, वर्तमान और भविष्य के अदृश्य संबंधों की एक सतत श्रृंखला है। हमारे पूर्वज, जिनकी बदौलत हमें यह जीवन और अस्तित्व प्राप्त हुआ है, केवल स्मृतियों में ही नहीं रहते, बल्कि भारतीय परंपरा के अनुसार वे सूक्ष्म रूप में हमारे जीवन को प्रभावित भी करते हैं। इन्हीं पूर्वजों को पितृ कहा जाता है और जब वे असंतुष्ट हो जाते हैं, तब जीवन में अनेक प्रकार की बाधाएं उत्पन्न होती हैं, जिन्हें सामान्यतः पितृ दोष कहा जाता है।

पितृ दोष को केवल अंधविश्वास कहकर टाल देना उचित नहीं है, क्योंकि यह एक गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अवधारणा है, जिसका उल्लेख वेदों, पुराणों और अनेक ग्रंथों में मिलता है। यह माना जाता है कि मृत्यु के पश्चात आत्मा सबसे पहले पितृ लोक में जाती है, जहां वह अपने पूर्वजों से मिलती है। यदि उस आत्मा के पुण्य अधिक होते हैं, तो वह आगे उच्च लोकों की यात्रा करती है, अन्यथा पुनः जन्म के चक्र में प्रवेश करती है। लेकिन जो आत्माएं अपने जीवन में अपूर्ण इच्छाओं, मोह या असंतोष के साथ जाती हैं, वे अपने वंशजों से अपेक्षा रखती हैं कि वे उनका स्मरण करें, उनका तर्पण करें और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करें। जब परिवार के लोग अपने पितरों को भूल जाते हैं, उनके लिए श्राद्ध, तर्पण या अन्य कर्म नहीं करते, या फिर अपने आचरण से परिवार की परंपराओं का अपमान करते हैं, तब ये आत्माएं दुखी होकर अपने वंशजों को कष्ट देती हैं। यही स्थिति पितृ दोष के रूप में सामने आती है। यह दोष अदृश्य होता है, लेकिन इसके प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में महसूस किए जा सकते हैं।

जीवन में अचानक आने वाली परेशानियां, जैसे कि बिना कारण आर्थिक नुकसान, बार-बार प्रयास करने के बावजूद सफलता न मिलना, विवाह में विलंब या वैवाहिक जीवन में तनाव, संतान सुख में बाधा, या घर में निरंतर अशांति – ये सभी संकेत हो सकते हैं कि कहीं न कहीं पितरों की असंतुष्टि मौजूद है। कई बार यह देखा जाता है कि व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति अनुकूल होने के बावजूद भी उसे शुभ फल नहीं मिलते। यह भी पितृ दोष का एक प्रमुख संकेत माना जाता है।

कुछ असामान्य घटनाएं भी इस दिशा में संकेत देती हैं। जैसे बार-बार भोजन में बाल निकलना, घर में बिना कारण दुर्गंध का महसूस होना, या स्वप्न में पूर्वजों का बार-बार दिखाई देना। ये घटनाएं सामान्य प्रतीत हो सकती हैं, लेकिन यदि ये लगातार घटित हों, तो इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। विशेष रूप से यदि स्वप्न में पूर्वज दुखी, अशांत या असामान्य स्थिति में दिखाई दें, तो यह स्पष्ट संकेत होता है कि वे कुछ अपेक्षा कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त शुभ अवसरों पर बाधा आना भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। जैसे किसी मांगलिक कार्य के दौरान अचानक कोई अशुभ घटना हो जाना, या खुशी का माहौल बिगड़ जाना। इसी प्रकार, घर के किसी सदस्य का लंबे समय तक अविवाहित रह जाना, या संपत्ति से जुड़े मामलों में बार-बार असफलता मिलना भी पितृ दोष की ओर इशारा कर सकता है। पितृ दोष का संबंध केवल आध्यात्मिक कारणों से ही नहीं, बल्कि हमारे नैतिक और सामाजिक व्यवहार से भी जुड़ा हुआ है। हमारे ऊपर कई प्रकार के ऋण होते हैं – मातृ ऋण, पितृ ऋण, देव ऋण, ऋषि ऋण और मनुष्य ऋण। यदि हम इन ऋणों को नहीं चुकाते, तो जीवन में असंतुलन उत्पन्न होता है। उदाहरण के लिए, माता-पिता का अपमान करना, बुजुर्गों की उपेक्षा करना, या किसी जरूरतमंद का हक छीनना – ये सभी कर्म पितृ दोष को जन्म दे सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएचयू के दो प्राध्यापकों को संगीत नाटक अकादमी सम्मान

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय के प्रो. राजेश शाह और डॉ. रमाशंकर को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। प्रो. राजेश शाह को वर्ष 2024 और डॉ. रमाशंकर को वर्ष 2023 के लिए यह सम्मान मिला है। दोनों ही आकाशवाणी-दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड कलाकार हैं और देश-विदेश में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां दे चुके हैं। कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी समेत संकाय प्रमुख प्रो. संगीता पंडित ने इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दोनों को बधाई दी है।

प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी

सुलतानपुर। प्रधान डाकघर को बुधवार सुबह धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर परिसर खाली कराया और सघन तलाशी अभियान चलाया। पोस्टमास्टर सुरेंद्र कुमार चौबे के मुताबिक, करीब 11 बजे ईमेल मिला था। सीओ सिटी सौरभ सामंत के नेतृत्व में टीम ने लगभग डेढ़ घंटे तक जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने स्थिति सामान्य बताते हुए जांच जारी रखने की बात कही।

पंजाब से बिहार भेजी जा रही 60 लाख की शराब बरामद

नोएडा। आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई में लोहारली टोल के पास एक ट्रक से करीब 60 लाख रुपये की 570 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की। शराब को थर्मोकोल की बोरियों के पीछे छिपाकर पंजाब से बिहार ले जाया जा रहा था। अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में संगठित तस्करी नेटवर्क के संकेत मिले हैं, जो मार्ग बदलने और ड्राइवर बदलने जैसी तरकीबों से कार्रवाई से बचता था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पहाड़ों पर बर्फबारी, खेतों में बिछी सफेद चादर

- हिमाचल में मौसम बदला, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, 20 मार्च तक ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बिगड़ता जा रहा है। राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है, जबकि शिमला, मनाली और निचले क्षेत्रों में घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने भारी बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के साथ 40-60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं की संभावना जताई है। तापमान की बात करें तो शिमला में न्यूनतम 10 डिग्री, मनाली 3.1 डिग्री, कल्पा 0.9 डिग्री और ताबो -2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। कुल्लू, सोलन, कांगड़ा और मंडी समेत कई जिलों में भी ठंड बनी हुई है।

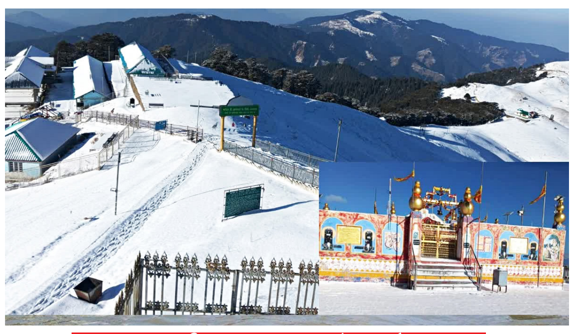

24 मार्च तक खराब रहेगा मौसम

बीती रात लाहौल-स्पीति के गोंदला, कुकुमसेरी, केलंग और हंसा क्षेत्रों में बर्फबारी दर्ज की गई। किन्नौर, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के ऊंचे इलाके जनजीवन प्रभावित कर रहे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 18 से 20 मार्च तक मौसम अत्यधिक सक्रिय रहेगा, जबकि 20 मार्च को येलो अलर्ट रहेगा। इसके बाद 22 से 24 मार्च तक भी खराब मौसम की संभावना है, हालांकि इन दिनों के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा केवल आवश्यक होने पर करें और 4x4 वाहन, स्नो चेन, पर्याप्त गर्म कपड़े और जरूरी सामान साथ रखें। कुल्लू पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने सभी से एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है।

अटल टनल में 2000 वाहन फंसे

भारी बर्फबारी के कारण कुल्लू-लाहौल क्षेत्र में हालात चुनौतीपूर्ण हो गए थे। अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल, सिस्सू और आसपास के इलाकों में लगभग 2,000 वाहन फंस गए थे। पुलिस और बीआरओ की संयुक्त कार्रवाई में 15 से 17 मार्च तक चलाए गए रेस्क्यू अभियान में 10,000 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित मनाली की ओर ले जाया गया। राहत रही कि पूरे अभियान में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रशासन ने आगामी दिनों में बर्फबारी और खराब मौसम को देखते हुए पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सावधानी बरतने की हिदायत दी है।

20 मिनट की ओलावृष्टि में सफेद हो गईं सड़कें

- मैनपाट में अचानक बदला मौसम, किसानों की चिंता बढ़ी
- आम, महुआ और सब्जी उत्पादकों का भारी नुकसान

एजेंसी । अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के मैनपाट में मंगलवार रात करीब 20 मिनट तक हुई तेज ओलावृष्टि से खेतों और सड़कों पर बर्फ जैसी सफेद परत जम गई। अचानक बदले मौसम से आम, महुआ और सब्जी फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। तेज हवाओं और बारिश के बाद देर रात ओले गिरने लगे, जिनसे कई इलाकों में मोटी परत बन गई।

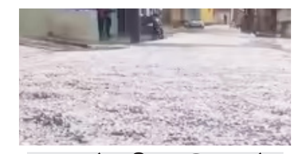

अगले तीन दिन के लिए अलर्ट

मौसम विभाग ने सरगुजा संभाग में अगले तीन दिनों तक बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाओं और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। मौसम में बदलाव से तापमान में गिरावट आई है, जिससे गर्मी से राहत मिली है, लेकिन फसलों को हुए नुकसान ने किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

दफ्तर में जींस-टीशर्ट पर नहीं मिलेगी एंट्री

- हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त ड्रेस कोड
- सोशल मीडिया के लिए भी कर्मियों को दी गई हिदायत

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड और सोशल मीडिया व्यवहार को लेकर सख्त आदेश जारी किया है। अब दफ्तरों में जींस और टी-शर्ट पर पूरी तरह रोक रहेगी। कर्मचारियों को केवल औपचारिक व सादे कपड़े पहनने होंगे। साथ ही बिना अनुमति किसी भी सरकारी दस्तावेज़ या जानकारी को साझा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सभी विभागों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना होगा और आदेश की प्राप्ति की पुष्टि करनी होगी।

साड़ी, सलवार-सूट और औपचारिक परिधान

आदेश में मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों और स्वायत्त संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन नियमों का पालन सुनिश्चित करें। उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर टिप्पणी पड़ेगी भारी

सरकार ने सोशल मीडिया के उपयोग पर भी कड़ा रुख अपनाया है। कर्मचारियों को निजी अकाउंट या प्लेटफॉर्म पर सरकार की नीतियों, योजनाओं या किसी राजनीतिक एवं धार्मिक विषय पर टिप्पणी करने से रोका गया है। बिना अनुमति किसी भी सरकारी दस्तावेज़, फाइल या आधिकारिक जानकारी को सार्वजनिक करना सेवा नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। सार्वजनिक बयान या विवादित पोस्ट से बचना अनिवार्य है।

छह सदस्यों वाले परिवार पर गिरी कच्ची दीवार

- मां समेत बेटे और बेटी की मौत, पति और दो बच्चे गंभीर

एजेंसी । मैनपुरी

कुरावली क्षेत्र के ग्राम अठपुरा में देर रात बड़ा हादसा हो गया, जहां कच्ची दीवार और टीन शेड गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, ब्रजेश के घर की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। उस समय परिवार के सदस्य टीन शेड के नीचे सो रहे थे।

नींव खोदे जाने से कमजोर हुई थी दीवार

मलबे में दबकर पत्नी रूबी (40), बेटा दिलीप (8) और बेटी देवी (13) की मौके पर ही मौत हो गई। नींव खोदे जाने से कमजोर हुई थी दीवार घटना के बाद चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

यूपी में 1.75 लाख बेटियों को मिली सरकारी नौकरी

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और युवाओं के कल्याण पर हुए कार्यों का ब्योरा पेश किया। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में नौ लाख से अधिक सरकारी भर्तियां हुईं, जिनमें 1.75 लाख से अधिक बेटियों को नौकरी मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1.10 करोड़ से अधिक महिलाएं

आजीविका दीदी के रूप में स्वरोजगार और उद्यमिता में सक्रिय हैं। महिला उद्यमी स्कीम के तहत इस वर्ष विशेष वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत छात्राओं के लिए 25 हजार रुपये का पैकेज, तथा सामूहिक विवाह योजना के तहत एक लाख रुपये की सहायता की जानकारी दी। सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से अब तक पांच लाख बेटियों की शादी संपन्न कराई जा चुकी है।

पुलिस-पब्लिक में खूनी संघर्ष, एक की मौत

- मुजफ्फरपुर में छापेमारी के दौरान बिगड़ गए हालात
- गिरफ्तारी के विरोध में पुलिस पर हुआ जानलेवा हमला

एजेंसी । मुजफ्फरपुर

गायघाट थाना क्षेत्र के असिया गांव में मंगलवार देर रात पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें गोली लगने से एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि थानेदार समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है।

पुलिस टीम पास्को एक्ट के एक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गांव में छापेमारी करने पहुंची थी।

भीड़ नियंत्रित करने को चलाई गई गोली

एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम पर जानलेवा हमला हुआ, जिसके बाद हालात काबू करने के लिए हवाई फायरिंग की गई। इसी दौरान हुई गोलीबारी में जगतवीर राय (60) को गोली लगी, जिससे उनकी मौत हो गई। हमले में थानेदार और दो अन्य जवान घायल हुए हैं। पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात घटना के बाद पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी मौके पर डटे हैं तथा फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि हमलावरों की पहचान की जा रही है और सरकारी कार्य में बाधा डालने व हिंसा फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। फिलहाल गांव में सन्नाटा है और हालात पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

नौ साल में 'बॉटल नेक' से 'ब्रेकथ्रू' बना यूपी: योगी

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने 'बॉटल नेक' से 'ब्रेकथ्रू स्टेट' तक का सफर तय किया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संभव हुआ। लोकभवन में 'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम के दौरान उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन करते हुए उन्होंने यह बात कही। योगी ने कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं में बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उद्योग, एयरपोर्ट, सड़क कनेक्टिविटी और एमएसएमई क्षेत्र में तेजी आई है।

लॉ एंड आर्डर, इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े बदलाव

योगी ने कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं में बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उद्योग, एयरपोर्ट, सड़क कनेक्टिविटी और एमएसएमई क्षेत्र में तेजी आई है, जबकि पुलिस भर्ती, साइबर थानों और महिला सुरक्षा पर विशेष काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर थी।

गन्ना किसानों को समय पर मिला पैसा

उन्होंने कृषि, शिक्षा और सामाजिक योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों को गन्ना मूल्य का समयबद्ध भुगतान हुआ है और बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में सुविधाएं बेहतर की गई हैं। सरकार की योजनाएं बिना भेदभाव सभी वर्गों तक पहुंचाई गई हैं, जिससे प्रदेश में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर थी, जबकि अब गांव से शहर तक बेहतर कनेक्टिविटी विकसित हुई है।

व्यापार जगत

अब फ्लाइट में 60% सीटें सेलेक्ट कर सकेंगे यात्री

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई यात्रा को यात्रियों के लिए और सहज बनाने हेतु बुधवार को नए दिशा-निर्देश जारी किए। इन निर्देशों के तहत प्रत्येक उड़ान में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी यात्री समान अवसर के साथ सीट चुन सकें और पारदर्शी सेवा का लाभ उठा सकें।

एक पीएनआर पर पास-पास मिलेगी सीट

नए आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रयासपूर्वक पास-पास की सीटें दी जाएं। इसका लाभ विशेष रूप से परिवार और समूह में यात्रा करने वाले यात्रियों को मिलेगा।

फ्लाइट डिले या रद्द होने पर भी नियम

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि निर्देशों में केवल सीट चयन ही नहीं, बल्कि खेल उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र और पालतू जानवरों के परिवहन के लिए भी पारदर्शी नियम शामिल किए गए हैं। इसके अलावा देरी या टिकट रद्द होने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी कठोर नियम लागू होंगे।

एप्सिस एयरोकॉम की स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री

एजेंसी । नई दिल्ली

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग क्षेत्र की कंपनी एप्सिस एयरोकॉम ने आज अपने आईपीओ के ज़रिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री दर्ज कर निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयरों को आईपीओ के तहत 110 रुपये प्रति शेयर पर जारी किया गया था। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 153 रुपये के स्तर पर हुई, यानी 39.09 प्रतिशत प्रीमियम पर। शुरुआती कारोबार में लिवाली का दबाव बढ़ा और शेयर 160.65 रुपये के अपर सर्किट तक पहुंच गए। पहले दिन ही निवेशकों को प्रति शेयर 50.65 रुपये यानी 46.05 प्रतिशत का लाभ हुआ।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेज़ी

- मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज का कारोबार मजबूत वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, आईटी सेक्टर में खरीदारी और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) में गिरावट के कारण पॉजिटिव माहौल में रहा। शुरुआती एक घंटे के उतार-चढ़ाव के बाद खरीदारों ने जोरदार लिवाली की, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में तेज़ी आई। दिन के अंत में सेंसेक्स 296.09 अंक की बढ़त के साथ 76,704.13 अंक पर और निफ्टी 196.65 अंक की मजबूती के साथ 23,777.80 अंक पर बंद हुआ।

5.51 लाख करोड़ बढ़ी संपत्ति

आज बाजार में तेजी के कारण निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 5.51 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 433.30 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 438.81 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 शेयर मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार में प्रमुख शेयरों में जियो फाइनेंशियल 4.46%, एटरनल 3.37%, टेक महिंद्रा 3.23%, इंफोसिस 2.77% और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.74% की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स में शामिल रहे।

असगार्ड अल्कोबेव की बड़ी व्यावसायिक घोषणा, निवेशकों की लॉटरी

एजेंसी । मुंबई

उद्योग से जुड़ी प्रमुख कंपनी असगार्ड अल्कोबेव लिमिटेड (पूर्व नाम बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज) ने एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक घोषणा करते हुए प्रतिष्ठित 'गोल्डन ईगल' बीयर ब्रांड की वापसी का ऐलान किया है। कंपनी की सहायक इकाई सीएमजे ब्रुअरीज प्राइवेट लिमिटेड और ब्रूज एंड ब्लिस एलएलपी के बीच हुए नए विनिर्माण समझौते के तहत उत्तर-पूर्व भारत और भूटान के बाजारों में इस ऐतिहासिक ब्रांड का उत्पादन और वितरण फिर से शुरू किया जाएगा। कंपनी प्रबंधन का मानना है कि इस साझेदारी से न केवल ब्रांड की बाजार में उपस्थिति मजबूत होगी।

समझौते के अनुसार, ब्रूज एंड ब्लिस के पास इस ब्रांड के निर्माण और बिक्री के विशेष अधिकार होंगे, जबकि उत्पादन मेघालय के बर्नीहाट स्थित सीएमजे ब्रुअरीज की अत्याधुनिक सुविधा में किया जाएगा। इस साझेदारी के तहत गोल्डन ईगल स्ट्रॉन्ग, गोल्डन ईगल माइल्ड, गोल्डन ईगल प्रीमियम स्ट्रॉन्ग और गोल्डन ईगल प्रीमियम माइल्ड जैसे प्रमुख उत्पाद तैयार किए जाएंगे। यह रणनीतिक गठबंधन मुख्य रूप से मेघालय, असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड सहित पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी देश भूटान के बाजारों को ध्यान में रखकर किया गया है। यह अनुबंध 31 मार्च 2029 तक प्रभावी रहेगा और भविष्य में अन्य क्षेत्रों में विस्तार की संभावना भी बनी हुई है। कंपनी प्रबंधन का मानना है कि इस साझेदारी से न केवल ब्रांड की बाजार में उपस्थिति मजबूत होगी, बल्कि निवेशकों और शेयरधारकों को भी दीर्घकालिक आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 1855 में स्थापित मोहन मीकिन लिमिटेड पेय उद्योग की सबसे पुरानी कंपनियों में गिनी जाती है।

डॉलर: रिकार्ड निचले स्तर पर रुपया

- मजबूत डॉलर और विदेशी निकासी ने बढ़ाया दबाव
- रुपया 92.63 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रुपये ने बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.63 प्रति डॉलर (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर को छू लिया। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी और वैश्विक बाजारों में बढ़ते तेल के दामों ने रुपया कमजोर होने में अहम भूमिका निभाई। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के चलते वैश्विक निवेशकों का रुख सतर्क रहा।

92.63 रुपये पर थमी गिरावट

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया दिन की शुरुआत 92.42 के स्तर पर हुआ और अधिकांश समय 92.41-92.48 के दायरे में रहा। लेकिन सत्र के अंत में गिरावट के साथ यह 92.63 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 92.65 तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। मंगलवार को रुपये ने 92.40 के स्तर पर बंद होकर पिछला रिकॉर्ड बनाया था। रुपये की कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ता है।

कर्ज चुकाने वाली कंपनियों पर दबाव

इसकी वजह से विदेशी कर्ज चुकाने वाली कंपनियों पर भी दबाव बढ़ता है और चालू खाता घाटा (CAD) बढ़ने की संभावना रहती है। कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भी लागत बढ़ जाती है, जिससे मुनाफे पर नकारात्मक असर पड़ता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि रुपये की यह लगातार कमजोरी न केवल निवेश और विकास दर को प्रभावित कर सकती है, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिरता पर भी लंबे समय तक दबाव बनाए रख सकती है।

घरेलू सौर विनिर्माण को मजबूती देगा ALMM फ्रेमवर्क का विस्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू सौर विनिर्माण को और मजबूती देने के लिए अनुमोदित मॉडल और निर्माता सूची (एएलएमएम) ढांचे का दायरा बढ़ा दिया है। इस नए आदेश के तहत अब सौर इंगोट्स और वेफर्स को भी एएलएमएम के दायरे में शामिल किया गया है। यह बदलाव एक जून, 2028 से प्रभावी होगा। सरकार का उद्देश्य आयात पर निर्भरता घटाना, घरेलू मूल्य संवर्धन बढ़ाना और भारत को वैश्विक सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र बनाने की दिशा में गति देना है।

न्यूज़ ब्रीफ

चेपॉक में सीएसके के 'रीयूनियन' की योजना

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स का 22 मार्च को यहां चेपॉक स्टेडियम में एक 'रीयूनियन' होगा। इसमें फ्रेंचाइजी अपने कई पूर्व खिलाड़ियों को आमंत्रित कर रही है। इनमें वे खिलाड़ी भी हैं जो अभी दूसरी आईपीएल टीमों से जुड़े हुए हैं। जिन लोगों ने भागीदारी की पुष्टि की है, उनमें मुथैया मुरलीधरन (हैदराबाद), मैथ्यू हेडन (गुजरात) और ड्वेन ब्रावो (कोलकाता) शामिल हैं। मौजूदा टीम और सपोर्ट स्टाफ के अलावा, 19-20 पूर्व खिलाड़ियों के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। यह कार्यक्रम एक भव्य आयोजन होने की उम्मीद है, जो एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। इसमें ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एआर रहमान के प्रस्तुति के लिए एक विशेष हिस्सा भी रखा गया है।

शीर्ष-10 का सफर और मुश्किल होगा : अनाहत

मुंबई। विश्व स्क्वॉश रैंकिंग के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई खिलाड़ी बनने के बाद 17 साल की अनाहत सिंह ने कहा है कि शीर्ष -10 में जगह बनाना कहीं अधिक मुश्किल होगा। दीपिका पल्लिकल और जोशना चिनप्पा पीएसए रैंकिंग में 10वें स्थान तक पहुंची थीं लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाईं। अनाहत ने इंडियन ओपन के दौरान बुधवार को कहा, शीर्ष-20 में जगह बनाना उतना मुश्किल नहीं था जितना शीर्ष-10 में होगा क्योंकि अब जब आप इतने ऊंचे स्तर पर होते हैं तो एक भी पायदान ऊपर चढ़ना काफी मुश्किल होता है।

आईसीसी की वनडे रैंकिंग में उठापटक

सलमान आगा और मेहदी हसन मिराज चमके

एजेंसी | दुबई

आईसीसी ने एक बार फिर से नई रैंकिंग जारी कर दी है। टी20 विश्व कप 2026 के बाद ये दूसरी रैंकिंग है। हालांकि इस बीच टी20 इंटरनेशनल मैच ज्यादा नहीं हुए, इसलिए इसकी रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं है, लेकिन वनडे में जरूरत उठापटक हुई है। पाकिस्तान की टी20 टीम के कप्तान ने वनडे रैंकिंग में छलांग मारी है। वे अब टॉप 10 में एंट्री करने में कामयाब हो गए हैं नई आईसीसी वनडे रैंकिंग में भी न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज डेरिल मिचेल पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनकी रेटिंग 840 की है। भारत के विराट कोहली 791 की रेटिंग के साथ आईसीसी वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान 756 की रेटिंग के साथ नंबर तीन पर बने हुए हैं। भारत के ही रोहित शर्मा की रेटिंग 748 की है और वे नंबर 4 पर अभी मौजूद हैं।

आगा और मिराज की शीर्ष-10 में एंट्री

पाकिस्तान के बल्लेबाज सलमान आगा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह बना ली है। वह अब नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस सीरीज में 175 रन बनाए, और स्ट्राइक रेट 104.17 रहा। उन्होंने सीरीज के निर्णायक मैच में 98 गेंदों पर 106 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें नौ चौके और चार छक्के शामिल थे, लेकिन टीम को 11 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

इन बल्लेबाजों को हुआ एक-एक स्थान का नुकसान

पाकिस्तान के सलमान के आगे जाने से कई बल्लेबाज एक एक स्थान नीचे आ गए हैं। श्रीलंका के चरिथ असलंका, इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, ट्रेविस हेड, श्रेयस अय्यर, क्विंटन डिकॉक, कुसल मेंडिस, जो रूट, रचिन रवींद्र को एक एक स्थान नीचे आना पड़ा है। अब आने वाले कुछ ही दिन बाद वनडे मुकाबले ज्यादा खेले जाएंगे, इसलिए रैंकिंग में भी काफी बदलाव और उलटफेर देखने के लिए मिलेंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा जारी

भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने इस सूची में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखी है। रोहित शर्मा 748 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल 716 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। इसके अलावा केएल राहुल भी टॉप 10 में अपनी जगह बनाए हुए हैं और नौवें नंबर पर हैं। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल 716 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के शुरुआती मैचों में ईशान किशन करेंगे कप्तानी

एजेंसी | मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मैच से होगी। आगामी सीजन के शुरुआती कुछ मैचों में पैट कमिंस फिटनेस कारणों से उपलब्ध नहीं होंगे। अब खबर है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप-कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे।

भारत में ही अपना रिहैब करेंगे कमिंस

एसआरएच के करीबी सूत्रों ने क्रिकबज को बताया है कि किशन टीम की कमान संभालेंगे। जल्द ही इस बारे में आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। अभी यह साफ नहीं है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेल पाएंगे, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान 23 मार्च को एसआरएच के कैंप में पहुंचेंगे। उम्मीद है कि वह भारत में ही फ्रेंचाइजी के साथ रहकर अपना रिहैब (चोट से उबरने का अभ्यास) करेंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कप्तानी कर चुके हैं किशन

किशन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में झारखंड की कप्तानी कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में खेलते हुए झारखंड ने यह घरेलू टी-20 खिताब जीता था। किशन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप 2026 में 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। वह संजू सैमसन के बाद इस संस्करण में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज रहे थे।

चोट के कारण फिलहाल मैदान से दूर हैं कमिंस

कमिंस दिसंबर से ही मैदान से बाहर हैं। उस समय उन्होंने एडिलेड में सिर्फ एक एशेज टेस्ट खेला था। उस मैच के बाद में पीठ की पुरानी चोट की वजह से उन्हें टीम से बाहर रहना पड़ा था। वह हाल ही में सम्पन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 भी नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) से अपने IPL कॉन्ट्रैक्ट को पूरा करने की मंजूरी मिल गई है।

आईपीएल में कैसी रही है कमिंस की कप्तानी?

कमिंस ने SRH की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम को जीत मिली और 14 में हार का सामना करना पड़ा। इस बीच एक मैच बेनतीजा भी रहा। 2024 में उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। IPL 2025 में SRH छठे स्थान पर रही थी, जिसमें टीम ने 6 मैच जीते और 7 हारे थे।

विदेशी दौरों से टीम को तैयार करेंगे शुअर्ड मारिन

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मारिन ने इस साल होने वाले विश्व कप और एशियाई खेलों की टीम को तैयार करने के लिए कड़ी योजना बनाई है। वह विदेशी दौरों, मुकाबलों के अनुभव और राष्ट्रीय शिविर के मेल पर भरोसा कर रहे हैं।विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होना है जबकि एशियाई खेल सितंबर में जापान में होंगे। भारत हाल में संपन्न एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर में उपविजेता रहा था।

नेशंस कप में चुनौती

भारतीय महिला टीम 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी नेशंस कप में हिस्सा लेगी। साथ ही टीम के अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा करने तथा जर्मनी और नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच खेलने का भी कार्यक्रम है। मारिन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ये पूर्व निर्धारित मुकाबले और हमारे शिविर मिलकर हमें विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए तैयार होने के लिए मैच और ट्रेनिंग का एक बहुत अच्छा मेल देते हैं।

विश्व कप में भारत को पूल डी में इंग्लैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। इस ग्रुप में चीन दुनिया की चौथी नंबर की टीम है। इंग्लैंड की रैंकिंग छठी है जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः नौवें और 19वें स्थान पर हैं।

विंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज में मोलिन्यू कप्तान

एजेंसी | सेंट विंसेंट

सोफी मोलिन्यू ने पुष्टि की है कि वह वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने के लिए उपलब्ध हैं, हालांकि वह अभी भी पीठ की चोट से उबर रही हैं। 28 वर्षीय खिलाड़ी को लेकर सबसे बड़ा सवाल उनकी गेंदबाजी की क्षमता पर है। संभावना है कि अगर वह स्पिन आक्रमण में अपनी मुख्य भूमिका नहीं भी निभा पाती हैं, तब भी मैच खेलेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मंगलवार को पहला पूर्ण अभ्यास सत्र आयोजित किया।

विनिसियस के डबल से रियाल मैड्रिड क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

एजेंसी | मैनचेस्टर

रियाल मैड्रिड ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए मैनचेस्टर सिटी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच का सबसे बड़ा मोड़ 20वें मिनट में आया, जब सिटी के कप्तान बर्नाडो सिल्वा को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही सिटी के लिए मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब विनिसियस जूनियर ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए दो गोल दागे।

सिटी की रणनीति विफल और मैड्रिड की अगली चुनौती

पहले चरण में 0-3 से पिछड़ने के बाद मैनचेस्टर सिटी के लिए वापसी की राह पहले से ही कठिन थी। हालांकि इर्लिंग हालैंड ने 41वें मिनट में गोल कर उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन मैच के आखिरी पलों (90+3 मिनट) में विनिसियस ने दूसरा गोल कर सिटी की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पेप गार्डियोला की टीम लगातार तीसरे सीजन में रियाल मैड्रिड के हाथों हारकर बाहर हुई है।

पीएसजी ने दी चेल्सी को सबसे बड़ी हार

गत चैंपियन पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने चेल्सी को सबसे बड़ी हार दी। पहले चरण में 5-2 से जीत दर्ज करने वाले पीएसजी ने दूसरे चरण में चेल्सी को 3-0 और कुल 8-2 से पराजित कर अंतिम-8 का टिकट कटाया। यह चेल्सी की चैंपियंस लीग में दो चरण में संयुक्त सबसे बड़ी पराजय है। पीएसजी ने शुरुआती 14

मिनट में ही दो गोल कर दिए थे। उसके लिए यह गोल ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने छठे मिनट और ब्रैडली बारकोला ने 14वें मिनट में दागे। टीम के लिए तीसरा गोल सेन्नय मायुलु ने 62वें मिनट में किया।

बॉ ली वु ड

मेकिंग से पहले 'मालामाल वीकली-2' को मिला नया डायरेक्टर

कॉमेडी फिल्म मालामाल वीकली के सीक्वल को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव की तिकड़ी से सजी इस फिल्म की दूसरी किस्त दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता पैदा कर रही है। करीब दो दशक पहले रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था, लेकिन अब खबर है कि सीक्वल के लिए उन्हें रिप्लेस कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 'मालामाल वीकली-2' का निर्देशन अब अमित शर्मा करेंगे, जिन्हें 'बधाई हो' के लिए जाना जाता है। बताया जा रहा है कि अमित इस फ्रैंचाइजी को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं और फिल्म की कहानी को नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीक्वल में परेश रावल की वापसी लगभग तय मानी जा रही है, हालांकि औपचारिक समझौता होना बाकी है। वहीं रितेश देशमुख और राजपाल यादव से भी बातचीत जारी है। मेकर्स की कोशिश है कि मूल फिल्म की कॉमिक टाइमिंग और मनोरंजन को बरकरार रखते हुए कहानी को नए परिवेश में आगे बढ़ाया जाए। बताया जा रहा है कि दूसरी कड़ी में किरदारों और कहानी की पृष्ठभूमि में बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे दर्शकों को एक नया लेकिन परिचित मनोरंजन अनुभव मिल सके।

नोरा फतेही के विवादित गाने 'सरके चुनर' पर लगा प्रतिबंध

ध्रुव सरजा की आगामी फिल्म केडीः द डेविल' में मौजूद 'सरके चुनर तेरी' गाने को भारत सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित कर दिया गया है। 18 मार्च को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सपा सांसद आनंद भदौरिया के एक सवाल का जवाब देते हुए इस कदम की पुष्टि की। बता दें, यह विवादित गाना नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया है जिसे भारी विरोध के चलते 17 मार्च को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से हटाया गया था। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विवादित गाने के खिलाफ कार्रवाई पहले हो चुकी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है।

सभी तरह की अभिव्यक्ति संविधान द्वारा निर्धारित उचित सीमाओं के अंदर होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, ₹मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमें भारत के संविधान निर्माताओं द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाए गए उचित प्रतिबंधों का पालन करना चाहिए।₹ नोरा और संजय के गाने से जुड़ा विवाद इसके आपत्तिजनक बोल को लेकर उपजा है।

'सरके चुनर' ने ऑनलाइन रिलीज होने के तुरंत बाद ही विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि कई लोगों ने इसके बोलों और उत्तेजक दृश्यों को यौन रूप से आपत्तिजनक बताते हुए नाराजगी जाहिर की।

यह कन्नड़ गाना है जिसके हिंदी वर्जन को रकीब आलम ने लिखा है। हालांकि, मूल भाषा के अलावा मलयालम, तेलुगु और तमिल वर्जन के वीडियो अभी यूट्यूब पर मौजूद हैं।

'धुरंधर 2' की रिलीज से पहले निर्देशक ने की अपील

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' की रिलीज से पहले निर्देशक आदित्य धर ने दर्शकों से एक खास अपील की है। फिल्म के पेड प्रिव्यू शो 18 मार्च, 2026 से शुरू होने जा रहे हैं, लेकिन इससे पहले ही पाइरेसी और स्पॉइलर को लेकर मेकर्स की चिंता सामने आई है। आदित्य धर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दर्शकों से फिल्म के बड़े रहस्यों को उजागर न करने की गुजारिश की। उन्होंने लिखा कि पूरी टीम ने फिल्म को इस तरह बनाया है कि दर्शक हर मोड़ और हर भावना को थिएटर के माहौल में महसूस कर सकें। निर्देशक ने कहा कि फिल्मों का असली आनंद बड़े पर्दे पर, परिवार और दोस्तों के साथ अंधेरे में बैठकर लेने

में है, न कि मोबाइल स्क्रीन पर देखने में। निर्देशक ने आगे लिखा कि 'धुरंधर' को इस मुकाम तक पहुंचाने में दर्शकों की बड़ी भूमिका रही है और अब इसके भविष्य की रक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। प्रिव्यू शो के कारण फिल्म की पाइरेसी का खतरा बढ़ जाता है, जिससे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ सकता है। 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म में संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स को उम्मीद है कि दर्शक उनकी अपील का सम्मान करेंगे और फिल्म का रोमांच बरकरार रखेंगे।

'ड्रैगन' में अनिल कपूर की एंट्री से फिल्म इंडस्ट्री और फैंस के बीच बढ़ा उत्साह

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म ड्रैगन को लेकर नया अपडेट सामने आया है। खबर है कि दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं और फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं। निर्देशक इससे पहले 'केजीएफ' और 'सालार' जैसी सफल फ्रैंचाइजी दे चुके हैं। ऐसे में 'ड्रैगन' को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और फैंस के बीच उत्साह लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का पैमाना काफी बड़ा है, जिसके चलते इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है। पहले इसे जून 2026 में सिनेमाघरों में लाने की योजना थी, लेकिन अब संभावना जताई जा रही है कि फिल्म साल के आखिर तक रिलीज हो सकती है। 'ड्रैगन' के जरिए अनिल कपूर करीब 46 साल बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी करेंगे। उनकी पहली और अब तक की आखिरी तेलुगु फिल्म वंश 'वंश वृक्षम्' थी। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी सामने आई, जिसमें अभिनेता को निर्देशक प्रशांत नील के साथ मुंबई में चर्चा करते देखा गया। गौरतलब है कि जूनियर एनटीआर को आखिरी बार 'देवरा' में देखा गया था। अब 'ड्रैगन' में उनकी अगली दमदार वापसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

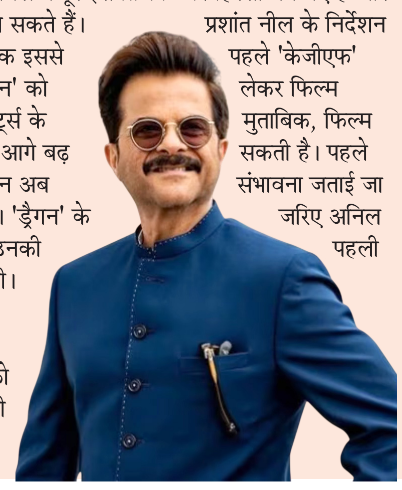

खून बांटा जिंदगी बचाने के लिए

दोपहर संवाददाता । मुंबई

'मौत' इस शब्द से मुझे हमेशा ही परहेज रहा। कुछ लिखने से पहले मेरे मन में हमेशा यही बात अटकी हुई होती है कि सकारात्मक चीजों पर जितना अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सके उतना अच्छा होगा। भरसक कोशिश रहती है उन घटनाओं से अपना मन हटाकर कहीं और लगा आऊँ जिनमें दर्दनाक मौत की खबरें शामिल हों। जैसे आप लोग बाजार जाते हैं, ड्यूटी जाते हैं, घर-परिवार के साथ हँसते-बोलते बतियाते एक सामान्य दिन गुजारते हैं। मैं भी सोचता हूँ कि हम सबका जीवन भी ऐसा ही सरल, सहज व संतुलित हो जाए। लेकिन हमारे हिस्से यह सुख बड़ी मुश्किल से, बड़े कम समय के लिए आता है। मौत की खबरें बार-बार सामने खड़ी हो जाती है। कहीं युद्ध, कहीं विस्फोट, कहीं हादसे। इंसान की जान जैसे सस्ती हो गई है। अस्पतालों में घायल लोग जिंदगी और मौत के बीच झूलते हैं और वहाँ सबसे ज्यादा कमी होती है खून की। जब बारूद, आग या किसी सड़क हादसे में झुलसी देहें अस्पताल पहुँचती हैं, जब किसी माँ की आँखों के सामने उसका बच्चा खून की कमी से तड़पता है, तब समझ आता है कि विकास, आविष्कार और तरक्की से पहले जीवन बचाना कितना जरूरी है। मौत चाहे किसी की भी हो, उसका दुःख एक जैसा होता है। पर अगर उस मौत को टाला जा सके, अगर किसी को जीने का एक और मौका दिया जा सके तो उससे बड़ा कोई धर्म नहीं। रक्तदान उसी धर्म का सबसे सरल रूप है। इसी सोच को साकार करते हुए निर्झरिणी ट्रस्ट ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर रक्तदान शिविर का आयोजन बारूद की ढेर के बीच उम्मीद बोने की एक कोशिश की। 17 मार्च को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक चले इस शिविर में यात्रियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर यह पैगाम दिया कि इंसानियत अभी जिंदा है।

बच्चों की भागीदारी

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर आयोजित रक्तदान शिविर में एक भावनात्मक पहलू भी देखने को मिला, जब छोटे–छोटे बच्चे भी इस अभियान का हिस्सा बने। हालांकि वे रक्तदान के योग्य नहीं थे, लेकिन उनकी उपस्थिति ने पूरे आयोजन को खास बना दिया। बच्चों ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया, उन्हें धन्यवाद कहा और कई जगह 'रक्तदान महादान' जैसे संदेशों के जरिए जागरूकता फैलाने में सहयोग दिया। इन मासूम चेहरों की भागीदारी ने यह संदेश दिया कि मानवता और सेवा की भावना उम्र की मोहताज नहीं होती। भविष्य की पीढ़ी में इस तरह के संस्कार समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत हैं।

दूसरों के लिए जीना बड़ी बात: मनोज अरोरा

रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए पूर्व सेफ्टी कमिश्नर मनोज अरोरा ने कहा कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। अपने लिए तो सभी जीते है, पर दूसरों के लिए जीना बड़ी बात है। ब्लड डोनेट करके लोगों की मदद की जा सकती है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता है, इसलिए यह दोनों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि आजकल फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप की दुनिया में लोग एक दूसरे की मदद के लिए समय नहीं निकाल पाते। सामाजिक सरोकार से लोग दूर होते जा रहे है। लेकिन निर्झरिणी ट्रस्ट ऐसे माहौल में रक्तदान के लिए लोगों को जोड़ने का काम कर रहा है, जो जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने का काम कर रहे हैं।

ये हैं रक्तवीर

राजीव कुमार, अजय कुमार, केदारनाथ देशमाने, सुशांत शिंदे, अभिषेक गवली, अजमेरा यादव, नंदलाल सिंह, राकेश खारकिया, निखिल खातोनी, महेंद्र धानवड़े, निलेश शिंदे, संतोष कुर्वे, आदित्य सावंत, नितिन वेनुगांती और नितिन चौधरी जैसे रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर अनजाने लोगों की जिंदगी बचाने का संकल्प निभाया है।

पहली बार 19 साल की उम्र में अपने मामा को रक्त दिया था। तब पहली बार लगा कि रक्तदान की अहमियत क्या है। इसके बाद से लगातार रक्तदान कर रहा हूं। अभी तक 16 बार रक्तदान और 12 बार प्लेटलेट्स दान कर चुका हूं। एक बार रक्तदान कर तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है तो क्यों न सभी रक्तदान करें।

– राजीव कुमार

अब तक कई बार रक्तदान कर चुका हूं। पहली बार 2007 में उन्होंने अपने एक रिश्तेदार को रक्त दिया था। इसके बाद उन्हें लगा कि रक्तदान कर कई लोगों की जान बचा सकते हैं।

– केदारनाथ देशमाने

पहली बार आठ साल पहले रक्तदान किया था। मकसद था कि खून की कमी से किसी की जान न जाए। अब तक 12 बार रक्तदान और 10 बार प्लेटलेट्स दान कर चुका हूं। जब भी किसी जरूरतमंद को रक्त के लिए उनके पास मैसेज आता है तो वो रक्तदान करते हैं। साल में कम से कम तीन बार रक्तदान करने का प्रयास रहता है।

– सुशांत शिंदे

दूसरों की चिंता करने से ज्यादा सार्थक जीवन और कोई हो ही नहीं सकता। यही रास्ता है, जिस पर चलकर कोई हम अपने अंदर के मनुष्य को जिन्दा रख सकते हैं।

अनु प्रकाश, प्रेसिडेंट,
निर्झरिणी ट्रस्ट

भीड़ के बीच मानवता की मिसाल

मुंबई के व्यस्ततम रेलवे स्टेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 'निर्झरिणी ट्रस्ट' ने अपना पहला रक्तदान शिविर आयोजित कर मानवता की सेवा की दिशा में अपनी यात्रा शुरू की। जहां रोज़ हजारों लोग अपनी मंज़िल की ओर भागते हैं, वहीं उसी भीड़ के बीच कुछ लोग ठहरकर किसी अनजान की ज़िंदगी बचाने का संकल्प लेते नजर आए। यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साह से रक्तदान कर इस पहल को सफल बनाया। ट्रस्ट का यह पहला रक्तदान शिविर उम्मीद से कहीं ज्यादा सफल रहा।

ये भी वहीं मौजूद थे

ट्रेन की आवाजों को छोड़ वहां कोई अवांछित शोर नहीं था, बल्कि एक गहरी गंभीरता और संवेदनशीलता पूरे आबो हवा में तैर रही थी। चेहरों पर चिंता नहीं, बल्कि करुणा, सेवा और मानवता के भाव थे। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कुर्सियां कम पड़ने लगीं, तो कई लोग बिना झिझक जमीन पर बैठ गए, पर किसी ने जाने की जल्दबाजी नहीं दिखाई मानो यहां हर व्यक्ति अपने भीतर एक संकल्प लेकर आया था किसी अनजान की जिंदगी बचाने का। मेडिकल टीम अपनी जिम्मेदारी निभा रही थी, और रक्तदाता बिना किसी दिखावे के इस पुनीत कार्य में जुटे थे। रक्तदान शिविर में कई सामाजिक व जिम्मेदार नागरिकों की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया। इस दौरान मीनू अरोड़ा, मनोज अरोड़ा, स्मिता कुमार, तनु झा, गुरु प्रकाश, डॉ. अजय कुमार, विकास बरनवाल, हरेश गडा, शीली गडा, निधि कटारिया, गोविंद यादव (वार्ड 76 भाजपा अध्यक्ष), संजय यादव, सुदामा यादव, धीरज गुप्ता, और बाला तरनेरकर विशेष रूप से मौजूद रहे।

आर्य गुरुकुल के चीफ फाउंडर भारत मालिक

सीआरएमएस के अध्यक्ष प्रवीण वाजपेई ने रक्तदान शिविर में पहुँच कर लोगों का हालचाल जाना

निर्झरिणी ट्रस्ट के बाल वालेंटियर चिराग चौरसिया, चित्रांग डोके, विलक्षण यादव, सुष्मिता गुप्ता के साथ दोपहर के कार्यकारी संपादक अमित बृज, हरीश, एवं संजय यादव

निर्झरिणी ट्रस्ट के सदस्य एवं ठाणे सिविल अस्पताल के डाक्टरों की टीम

रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता, इसलिए रक्तदान अनिवार्य है, मैं समझती हूँ की हर किसी को दूसरों के लिए कुछ न कुछ तो करना चाहिए। यदि आप केवल अपने बारे में सोचते हैं तो खुश होंगे, लेकिन यदि आप दूसरों के बारे में सोचते हैं तो ज्यादा खुश होंगे।

- ममता पंकज यादव, नगरसेविका, वार्ड 72